RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

दैनिक

सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, शनिवार ●20 अप्रैल , 2024 वर्षः-11 अंक - 352 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

इंडी गठबंधन वाले भगवान राम की पूजा को पाखंड बताते हैं

पीएम मोदी बोले-आतंक का सप्लायर पड़ोसी आटे को तरस रहा

दमोह (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा- हमारा एक पड़ोसी जो आतंक का सप्लायर था वो अब आटे की सप्लाई के लिए तरस रहा है। ऐसे हालातों में हमारा भारत दुनिया में सबसे तेजी से विकसित हो रहा है। पीएम मोदी शुक्रवार दोपहर में दमोह में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस और इंडी अलायंस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ये लोग सनातन को डेंगू-मलेरिया कहते हैं। भगवान राम की पूजा को पाखंड बताते हैं। पीएम मोदी ने कहा- परिवारवादी और भ्रष्टाचारी नेताओं को मोदी की गारंटी बेचैन कर रही है। वे कहते हैं कि तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी तो देश में आग लग जाएगी। इंडी गठबंधन के लोग मोदी को आए दिन धमकियां दे रहे हैं लेकिन मोदी इन धमकियों से न पहले डरा है, न कभी डर सकता है। पीएम मोदी ने कहा- जब दुनिया में युद्ध का माहौल हो। घटनाएं घट रही हो। तो भारत में युद्ध स्तर पर काम करने वाली सरकार बहुत जरूरी है। ये काम पूर्ण बहुमत वाली भाजपा सरकार ही कर सकती है। स्थिर सरकार कैसे देश और देशवासियों के हित में काम करती है, ये हमने बीते वर्षों में देखा है। पीएम मोदी ने कहा- जिनके पास गारंटी देने के लिए कुछ नहीं है, उनकी गारंटी मोदी ने ली है। मुद्रा योजना के तहत ऐसे युवाओं को लाखों करोड़ रुपए का ऋण दिया है। भाजपा ने घोषणा पत्र में घोषणा की है कि मुद्रा योजना में मदद को बढ़ाकर अब 20 लाख रुपए तक किया जाएगा। कोविड का इतना बड़ा संकट आया। मजबूत भाजपा सरकार पूरी दुनिया से हर भारतीय को सुरक्षित भारत ले आई। करोड़ों परिवारों को मुफ्त राशन की सुविधा दी। भाजपा सरकार ने करोड़ों भारतीयों को मुफ्त वैक्सीन लगाई। आज देश में वो भाजपा सरकार है जो न किसी से दबती है, न किसी के सामने झुकती है। मोदी बोले- ओरछा में हमारे भगवान राम राजा के रूप में विराजित हैं। बुंदेलखंड की धरती देख रही कैसे कांग्रेस और इंडी गठबंधन वाले कहते हैं, हमारा सनातन डेंगू-मलेरिया है। अध्योध्या में राम मंदिर बना है, उसके भी ये विरोधी हैं। राम की पूजा को पाखंड बताते हैं।

केरल में बर्ड फ्लू फैला, 21 हजार पक्षी मारेगा प्रशासन, की तैयारी

- 8 दिन में 3500 पक्षी मरे, जिला प्रशासन का दावा-इंसानों में फैलने की संभावना नहीं

अलप्पुझा (एजेंसी)। केरल के अलप्पुझा जिले में दो जगह जानलेवा बर्ड फ्लू के फैलने की खबर हड़कंप मच गया है। यहां एडथवा ग्राम पंचायत के वार्ड एक और चेरूथाना ग्राम पंचायत के वार्ड 3 में बत्तखों में इस वायरस की पुष्टि हुई है। एडथवा मे 12 अप्रैल से अब तक 3 हजार तो चेरूथाना में 250 पक्षी मारे चुके हैं। मरे हुए पक्षियों के सैंपल जब भोपाल स्थित लैब भेजे गए, तब इनमें एवियन इन्फ्लूएंजा (एच5एन1) यानी बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई।

संक्षिप्त समाचार

छिंदवाड़ा में वोटिंग के दिन हो गया 'खेला'

- बीजेपी में गए मेयर ने मारी पलटी, कहा-कमल नाथ को करें सपोर्ट

भोपाल। मध्य प्रदेश में छिंदवाड़ा लोकसभा सीट पर सबकी निगाहें टिकी हुई थी। वोटिंग के दिन छिंदवाड़ा में बड़ा खेला हो गया है। दो अप्रैल को बीजेपी में शामिल होने वाले छिंदवाड़ा मेयर विक्रम अहाके पलट गए हैं। बीजेपी की सदस्यता लेकर वह सांसद नकुल नाथ और कमल नाथ को कोस रहे थे। 17 दिन बाद ही छिंदवाड़ा मेयर का मन बदल गया है। उन्होंने वीडियो जारी कर कहा है कि नकुल नाथ को सपोर्ट करें। छिंदवाड़ा मेयर विक्रम अहाके ने

कहा कि मैं बिना किसी के दबाव के यह वीडियो बना रहा हूं। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पूर्व मैंने किसी राजनीतिक दल को ज्वाइन किया था। जिस दिन से मैंने ज्वाइन किया, मुझे घुटन महसूस हो रही थी। मेरे मन में यह ख्याल आ रहा था कि तुम उस इंसान के साथ गलत कर रहे हो, जिसने छिंदवाड़ा का विकास किया है। विक्रम अहाके ने कहा कि जीवन में राजनीति करने के मौके बहुत आएंगे। भविष्य में मेरे साथ क्या होगा, मुझे नहीं पता। आज अगर हम कमल नाथ और नकुल नाथ के साथ खड़े नहीं हुए तो मुझे भी पाप लगेगा।

वाइस एडमिरल दिनेश त्रिपाठी भारतीय नौसेना के नए चीफ नियुक्त

- अभी नेवी स्टाफ के वाइस चीफ हैं, 30 अप्रैल को संभालेंगे पदभार

नई दिल्ली (एजेंसी)। वाइस एडमिरल दिनेश त्रिपाठी को भारतीय नौसेना का नया चीफ नियुक्त किया गया है। केंद्र सरकार ने गुरुवार देर रात इसकी घोषणा की। दिनेश त्रिपाठी वर्तमान नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार की जगह लेंगे। वे 30 अप्रैल को रिटायर हो रहे हैं। दिनेश त्रिपाठी इसी दिन पदभार संभालेंगे। दिनेश त्रिपाठी अभी नौसेना स्टाफ के वाइस चीफ हैं। वे इससे पहले पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफीसर कमांडिंग-इन-चीफ रह चुके हैं। अपने 39 साल लंबे करियर में उन्होंने भारतीय नौसेना के कई अहम असाइनमेंट्स पर काम किया है। वाइस एडमिरल दिनेश 1 जुलाई 1985 को भारतीय नौसेना में कमीशंड हुए थे। वे कम्युनिकेशन और इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर स्पेशलिस्ट हैं। वे नौसेना के फ्रंटलाइन युद्धपोतों पर सिग्नल कम्युनिकेशन ऑफीसर और इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर ऑफीसर रहे हैं। उन्होंने गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर मुंबई के एग्जीक्यूटिव ऑफीसर और प्रिंसिपल वारफेयर ऑफीसर के रूप में भी काम किया है। दिनेश त्रिपाठी ने आईएनएस किर्च, त्रिशूल और विनाश जैसे नौसैनिक जहाजों की कमान भी संभाली है। दिनेश त्रिपाठी ने कई अहम ऑपरेशनल और स्टाफ नियुक्तियों पर भी काम किया है। इसमें मुंबई में पश्चिमी बेड़े के फ्लीट ऑपरेशन्स ऑफीसर भी रहे।

'बाबा' की याचिका बिहार-छत्तीसगढ़ में ऐक्शन न हो

- शिकायतकर्ताओं को भी शामिल करें: अदालत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को योग गुरु रामदेव की एक याचिका पर सुनवाई की। जिसमें उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान एलोपैथिक दवाओं के इस्तेमाल के खिलाफ उनकी टिप्पणियों पर दर्ज कई एफआईआर क्लब करने और दिल्ली ट्रांसफर करने की मांग की थी। जस्टिस एमएम सुंदरेश समेत 2 जजों की बेंच ने बाबा रामदेव से उन लोगों को भी पार्टी बनाने का निर्देश दिया है, जिन्होंने व्यक्तिगत तौर पर उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। बेंच ने सुनवाई की अगली तारीख जुलाई में तय की है। बाबा रामदेव के खिलाफ पटना (बिहार) और रायपुर (छत्तीसगढ़) चैप्टर ने 2021 में एफआईआर की थी।

अपनी याचिका में रामदेव ने केंद्र, बिहार, छत्तीसगढ़ और एजेंसी को पार्टी बनाया है। रामदेव ने इन एफआईआर पर ऐक्शन रोकने की मांग भी की थी। रामदेव और आचार्य बालकृष्ण के खिलाफ याचिका पर पहले से सुनवाई जारी है। जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस अहसानुद्दीन की बेंच ने उन्हें 7 दिन का समय दिया है। इस मामले में अगली सुनवाई 23 अप्रैल को है। इसी बीच, दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन ने भी मामले में पार्टी बनने की परमीशन मांगी है। उसने आरोप लगाया गया है कि रामदेव ने एलोपैथी का अपमान किया और लोगों को प्रैक्टिकल और प्रोटोकॉल की अवहेलना करने के लिए उकसाया। जिसमें 15,000 डॉक्टर सदस्य हैं, ने दावा किया है कि रामदेव की पतंजलि ने कोरोनिल किट बेचकर 1000 करोड़ रुपए से ज्यादा कमाए। इसे किसी भी जिम्मेदार अधिकारी ने सर्टिफाइ नहीं किया गया था।

बंगाल में बवाल, मणिपुर में हिंसा के बीच बंपर वोटिंग

21 राज्यों की 102 सीटों पर सुबह से लगी मतदाताओं की लंबी कतार

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा के फर्स्ट फेज में 21 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों की 102 सीटों पर वोटिंग खत्म हो गई है। सीटों के हिसाब से यह सबसे बड़ा फेज है। वोटिंग शाम 6 बजे तक चली। पीएम मोदी ने सभी से वोट डालने की अपील की थी। उन्होंने हिंदी, तमिल, मराठी समेत 5 भाषाओं

में ट्वीट किया। वोटर टर्नआउट ऐप के मुताबिक, दोपहर एक बजे तक सबसे ज्यादा वोटिंग त्रिपुरा में 68.35 फीसदी हुई। सबसे कम वोटिंग बिहार में 45 फीसदी हुआ। 21 राज्यों में वोटिंग का एवरेज 63 रहा है। वोटिंग के दौरान मणिपुर के बिष्णुपुर में फायरिंग, बंगाल के कूचबिहार में हिंसा और छत्तीसगढ़ के बीजापुर में ग्रेनेड ब्लास्ट हुआ है। ब्लास्ट में एक असिस्टेंट कमांडेंट और जवान घायल हैं। मणिपुर की दो लोकसभा सीटों (मणिपुर इनर और मणिपुर आउटर) पर भी इस फेज में वोटिंग है। हिंसा को देखते हुए आउटर सीट के कुछ हिस्सों में 26 अप्रैल को भी वोटिंग होगी। 2019 में इन 102 लोकसभा सीटों पर भाजपा ने 40, डीएमके ने 24, कांग्रेस ने 15 सीटें जीती थीं। अन्य को 23 सीटें मिली थीं। इस फेज में अधिकतर सीटों पर मुकाबला इन्हीं 3 दलों के बीच है। फर्स्ट फेज में 1,625 कैंडीडेट्स चुनाव लड़ रहे थे। इनमें 1,491 पुरुष, 134 महिला कैंडीडेट हैं। 8 केंद्रीय मंत्री, एक पूर्व मुख्यमंत्री और एक पूर्व राज्यपाल भी इस बार चुनाव मैदान में हैं। इस फेज के बाद 26 अप्रैल को दूसरे फेज की वोटिंग होगी। कुल 7 फेज में 543 सीटों पर 1 जून को मतदान खत्म होगा। सभी सीटों के रिजल्ट 4 जून को आएंगे। राजस्थान में दोपहर 3 बजे तक इन 12 सीटों पर 41.51 फीसदी मतदान हुआ है। नागौर के कुचेरा में भाजपा प्रत्याशी ज्योति मिर्धा और इंडिया गठबंधन (आरएलपी) के प्रत्याशी हनुमान बेनीवाल के समर्थक भिड़ गए। कुचेरा नगर पालिका के अध्यक्ष तेजपाल मिर्धा के सिर में चोट लगी। चूरू में सादुलपुर के गांव रामपुर रेणु गांव में फर्जी मतदान की शिकायत पर दो लोगों ने पोलिंग एजेंट का सिर फोड़ दिया। यूपी में लोकसभा की 8 सीटों पर पहले फेज की वोटिंग हुई। शाम 6 बजे तक लगभग 65 फीसदी मतदान हुआ है।

एमपी में छह सीटों पर बंपर वोटिंग, छिंदवाड़ा में विवाद

- छिंदवाड़ा में भाजपा-कांग्रेस समर्थकों के बीच चली कुर्सियां
- बालाघाट में मतदान का वीडियो वायरल करने पर एफआईआर

भोपाल। मध्य प्रदेश की छह सीटों पर शाम पांच बजे तक 63 प्रतिशत से ज्यादा मतदान हो चुका है। छिंदवाड़ा सीट पर सबसे ज्यादा 73.85 फीसदी तो सीधी में सबसे कम 51.24 प्रतिशत वोट पड़े। अनूपपुर जिले के विधानसभा क्षेत्र अनूपपुर के मतदान केंद्र क्रमांक 205 सिवनी जैतहरी में 22 वर्ष के दिव्यांग युवा मतदाता उमेश कुमार राठौर पिता जयलाल ने मतदान केंद्र पहुंचते हुए लोकतंत्र के इस पर्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। दिव्यांग उमेश राठौर चल फिर पाने में सक्षम नहीं है और अपने परिवार के लोगों के साथ वह मतदान केंद्र तक पहुंचे जहां मतदान केंद्र में व्हीलचेयर से मतदान करते हुए लोकतंत्र में अपनी भागीदारी निभाई। इस दौरान दिव्यांग युवा मतदाता के मतदान के प्रति उत्साह को देखकर जैतहरी थाना प्रभारी प्रकाश चंद्र कोल द्वारा उनका उत्साह वर्धन किया। लोकसभा चुनाव के पहले चरण में मध्यप्रदेश की 6 सीटों- छिंदवाड़ा, जबलपुर, मंडला, बालाघाट, शहडोल और सीधी पर वोटिंग हो गई है। छिंदवाड़ा के वार्ड नंबर 25 के पाटनी टॉकीज क्षेत्र में कांग्रेस और भाजपा प्रत्याशियों के समर्थकों के बीच झड़प हो गई। हाथापाई के साथ-साथ दोनों तरफ से एक-दूसरे पर कुर्सियां फेंकी गईं। पुलिस ने मोर्चा संभाला। वहीं, छिंदवाड़ा की पांढुर्णा विधानसभा में कांग्रेस पर्यवेक्षक सुनील जुननकर पर मुंह पर कपड़ा बांधे कुछ युवकों ने हमला करने की कोशिश की। बालाघाट में बूथ क्रमांक 242 शासकीय नेहरू प्राथमिक शाला और बूथ नंबर 195 शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज का वीडियो वायरल करने के मामले सामने आए हैं।

कर्नाटक के कॉलेज में कांग्रेस नेता की बेटी की हत्या

- पूर्व क्लासमेट ने चाकू से शरीर पर 7 वार किए, प्रपोजल ठुकराने से नाराज था

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के हुबली स्थित बीवीबी कॉलेज कैंपस में गुरुवार को कांग्रेस पार्षद निरंजन हिरेमथ की 23 साल की बेटी नेहा हिरेमथ की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। नेहा एमसीए फर्स्ट ईयर की स्टूडेंट थी। उसी कॉलेज के एक ड्रॉपआउट स्टूडेंट फैयाज खोंडुनाईक (23) ने नेहा के गले, पेट सहित शरीर पर चाकू से 7 वार किए। हमले में फैयाज को भी चोटें आईं। दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां नेहा को मृत घोषित कर दिया गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें फैयाज नेहा पर हमला करता हुआ दिखा। पुलिस ने बताया कि नेहा और फैयाज एक दूसरे को पहले से जानते थे। दोनों बीसीए के दौरान क्लासमेट थे। नेहा ने उसका प्रपोजल ठुकरा दिया था, जिसके कारण फैयाज ने घटना को अंजाम दिया। हुब्बली-धारवाड़ की पुलिस कमिश्नर रेणुका एस सुकेमार ने कहा कि इस मामले में कल एफआईआर दर्ज की गई थी, जिसके एक घंटे के अंदर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। हमने सारी कानूनी प्रक्रिया पूरी कर ली है। आरोपी को ज्यूडिशियल कस्टडी में भेज दिया गया है। पुलिस के मुताबिक, घटना शाम 5 बजे की है। सीसीटीवी फुटेज में दिखा कि नेहा कॉलेज कैंपस से बाहर जा रही थी। इसी दौरान फैयाज उसके सामने आ गया।

घर पर पूजा, पत्नी से तिलक और परिवार संग सेल्फी

- नामांकन भरने निकले पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान का अलग अंदाज

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और विदिशा लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार शिवराज सिंह चौहान नामांकन भर रहे हैं। नामांकन के लिए जाने से पहले उन्होंने मीडिया से बात की और कहा कि, मैं सौभाग्यशाली हूं कि भाजपा ने, प्रधानमंत्री मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मुझे विदिशा की जनता की सेवा करने का फिर एक बार अवसर दिया है। जनता की सेवा मेरे लिए भगवान की पूजा है। मैं अपनी संपूर्ण क्षमता के साथ जनता की सेवा, क्षेत्र का विकास और अपने देश के लिए काम करने का प्रयास करूंगा। इससे पहले विदिशा लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार शिवराज सिंह चौहान ने नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले अपने आवास पर पूजा की। विदिशा की जनता के लिए उन्होंने एक वीडियो संदेश भी जारी किया। उन्होंने लिखा कि, विदिशा-रायसेन संसदीय क्षेत्र के बहनों-भाइयों, भांजे-भांजियों!

मैंने अपनी संपूर्ण क्षमता से आपकी सेवा और क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी ने आपकी सेवा का सौभाग्य प्रदान किया है। आज भाजपा के प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल कर रहा हूं। इस अवसर पर आपका स्नेह, सहयोग और बुजुर्गों का आशीर्वाद मिले; यही प्रार्थना है।

भारत ने फिलीपींस को ब्रह्मोस मिसाइल का पहला बैच सौंपा

2022 में 2,966 करोड़ की डील हुई थी, फिलीपींस साउथ चाइना सी में तैनात करेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना शुक्रवार को फिलीपींस को ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों का पहला बैच सौंप दिया है। ब्रह्मोस पाने वाला फिलीपींस पहला बाहरी देश है। भारत ने जनवरी 2022 में फिलीपींस को ब्रह्मोस मिसाइल की बिक्री के लिए 2,966 करोड़ रुपए की डील की थी। इंडियन एयरफोर्स ने ए-17 ग्लोबमास्टर विमान के जरिए इन मिसाइलों को फिलीपीन मरीन कॉर्प्स को सौंपा गया है। इन मिसाइलों की स्पीड 2.8 मैक और मारक क्षमता 290 किमी है। मीडिया रिपोर्ट्स और सूत्रों के मुताबिक फिलीपींस इन मिसाइलों को साउथ चाइना सी पर तैनात करेगा। भारत ब्रह्मोस सुपरसॉनिक मिसाइल के तीन सिस्टम फिलीपींस को सौंप रहा है। हर एक सिस्टम में दो मिसाइल लॉन्चर, एक रडार और एक कमांड एंड कंट्रोल सेंटर होता है। इसके जरिए सबमरीन, शिप, एयरक्राफ्ट से दो ब्रह्मोस मिसाइलें 10 सेकेंड के अंदर दुश्मन पर दागी जा सकती है। इसके अलावा भारत फिलीपींस को मिसाइल ऑपरेट करने की भी ट्रेनिंग देगा। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, भारत डोर्नियर-228 विमान,

155 एमएम एडवांस्ड टोड आर्टिलरी गन, आकाश मिसाइल सिस्टम, रडार, सिमुलेटर, माइन प्रोटेक्टेड व्हीकल, बख्तरबंद वाहन, पिनाका रॉकेट, थर्मल इमेजर्स कुछ देशों को एक्सपोर्ट कर चुका है। ब्रह्मोस एक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है,जिसे एयरक्राफ्ट या जमीन कहीं से भी छोड़ा जा सकता है।

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, शनिवार 20 अप्रैल, 2024

नर्मदापुरम में दावत देने 3 जंगली सुअर का शिकार: नदी किनारे रेत और घर पर पानी की टंकी में छिपाया मांस

डॉग टीना ने पकड़ा

नर्मदापुरम(निप्र)। नर्मदापुरम जिले के सोहागपुर के पास गोपालपुर गांव में तीन जंगली सुअर का शिकार हुआ। सगे तीन भाइयों ने नवरात्र के बाद घर-परिवार, रिश्तेदारों को दावत देने के लिए नहर किनारे जाल लगाकर जंगली सुअर का शिकार किया। शिकार के बाद सुअर के 50 किलो मांस को नदी की रेत में गाड़कर छिपा दिया। एक किलो मांस को घर में पानी की टंकी में रख दिया। शिकार की खबर फॉरेस्ट विभाग को लगी। इसके बाद एसटीआर की डॉग टीना को लेकर डॉग स्क्वाड प्रभारी पद्मसिंह और रेंजर सुमित पांडे वन अमले को लेकर गोपालपुर पहुंच गए। संदिग्ध व्यक्ति के घर की तलाश की। डॉग टीना ने बाइक में लगे खून से सूंघकर घर में पानी की टंकी में छिपाकर रखे मांस तक पहुंच गई। करीब एक किलो मांस जब्त किया। फॉरेस्ट टीम के घर पहुंचने से पहले शिकार करने वाले कमोदा पिता चेतराम भाग गया। टीम ने दूसरें दिन कमोदा को पकड़ा। पूछताछ में उसने अपने भाई रामसिंह व पुत्री के साथ मिलकर 3 सुअर का शिकार करना स्वीकार किया। मांस को नदी किनारे रेत में गड़ाकर छिपाना बताया। फॉरेस्ट टीम ने तीनों भाई को गिरफ्तार किया। रेत में छिपाकर रखा मांस निकलवाया। आरोपी तीनों भाइयों के के खिलाफ वन्य प्राणी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर किया। तीनों आरोपियों को न्यायालय पेश कर जेल भेज दिया गया। रेंजर सुमित पांडे ने बताया आरोपी कमोदा ने बताया कि कमोदा, रामसिंह व पुत्री ने हीरापुर के पास नहर में जाल लगाया था। एक-दो घंटे में तीन जंगली सुअर फंस गए। जिन्हें कुल्हाड़ी व हसिए से काटा।

घर में परिवार, रिश्तेदार को भोजन कराने के लिए किया शिकार

रेंजर पांडे ने बताया आरोपी सपेरे है। पूछताछ में बताया कि घर-परिवार व रिश्तेदारों को दावत के रुप में भोजन कराने के लिए तीन जंगली सुअर का शिकार किया। नवमीं, दशमी की पूजन मांस को रखते। फिर प्रसाद के रुप में सभी को खिलाने की तैयारी थी। इसलिए मांस को बोरी में भरकर रेत में छिपा दिया था। दावत देते उससे पहले शिकार का राज उजागर हो गया। तीनों आरोपियों को पिपरिया जेल भेज दिया गया है।

करीब 50 किलो मांस को बोरी में भरकर नदी में रेत में छिपा दिया। एक किलो मांस बोरी में रखकर बाइक से घर ले आए, जिसे पानी की टंकी में छिपा दिया। मांस लाने के दौरान बाइक पर खून लगा हुआ था। मुखबिर से सूचना मिली कि जंगली सुअर का शिकार हुआ। सूचना मिलते ही हम डॉग स्क्वाड टीम व अमले के साथ संदिग्ध शिकारी के घर पहुंचे। इससे पहले आरोपी मौके से फरार हो। घर के सामने खड़ी बाइक में लगे खून को सतपुडा टाइगर रिजर्व की डॉग टीना ने सूंघ लिया, जिससे उसकी मदद से कच्चा मांस घर से जप्त किया।

संक्षिप्त समाचार

दुखद सूचना

इटारसी पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष एवं पूर्व न्यास अध्यक्ष अनिल अवस्थी जी का ह्रदय गति रुक जाने के कारण शुक्रवार 19 अप्रैल 2024 की शाम को निधन हो गया है। श्री अवस्थी आनंद अवस्थी के बड़े भाई सत्येंद्र बबलू अवस्थी के चाचा जी मोंटू अवस्थी के पिताजी थे। अंतिम यात्रा आज 20 अप्रैल को सुबह 10:00 बजे उनके निवास स्थान मालवीय गंज से निकाली जाएगी।

रामनवमी पर लड्डू, पंजीरी का प्रसाद बांटा

बनखेड़ी(निप्र)। नगर में रामनवमी धूमधाम से मनाई। इस अवसर पर प्रतिवर्ष अनुसार इस बार भी श्री राम जानकी पंचायती मंदिर समिति के तत्वावधान में नगर में राम दरबार की शोभा यात्रा निकाली गई। शोभायात्रा स्टेशन रोड हनुमान मंदिर से पुराना बाजार दुर्गा मंदिर होते हुए राम मंदिर पहुंची। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में भक्त शामिल रहे। अनेक स्थानों पर राम दरबार का नागरिकों ने पूजन एवं शोभायात्रा का रुचि मार्केट समिति ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, महेश्वरी समाज एवं अन्य स्थानों पर स्वागत किया

रिश्तेदार के घर आए युवक ने नाबालिग से की ज्यादती, केस दर्ज

नर्मदापुरम(निप्र)। ग्वालटोली में रिश्तेदार के यहां आए युवक आरोपी राहुल अहिरवार ने नाबालिग बच्ची से ज्यादती की है। एसडीओपी पराग सैनी ने बताया कि आरोपी बैतूल तरफ का रहने वाला है। वह अपने रिश्तेदार के यहां आया था और इस दौरान पास में रहने वाली 16 साल की बच्ची के साथ उसने ज्यादती की। पहले उसने प्रेम प्रसंग में उलझाया और फिर उसके साथ दो से तीन बार ज्यादती की। परिजनों को पता चला तो उन्होंने बच्ची के साथ आकर रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोपी ने बच्ची को मारने की धमकी दी थी। पुलिस ने 376 धारा के अलावा पॉक्सो एक्ट के तहत भी मामला दर्ज कर लिया है। एसडीओपी के अनुसार आरोपी फरार है। उसे गिरफ्तार करने के लिए पुलिस टीम गई है। मामले की जांच चल रही है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक मौत

नर्मदापुरम(निप्र)। देहात थाने के तहत अज्ञात वाहन की टक्कर से सुदर्शन झांडे की मौत हो गई। देहात पुलिस ने बताया कि ये बैतूल के रहने वाले हैं। नर्मदापुरम रिश्तेदारी में आए थे। इस दौरान सड़क के बाहर हरदा बायपास तरफ टहल रहे थे। तभी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इससे उनकी मौत हो गई। पुलिस जांच कर रही है।

नर्मदापुरम में निर्वाचन ट्रेनिंग से 100 अफसर-कर्मचारी गैरहाजिर-अनुपस्थित लोक सेवकों के खिलाफ होगी कार्रवाई

नर्मदापुरम(निप्र)। लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत सरकारी अधिकारी-कर्मचारियों को चुनाव की ट्रेनिंग दी जा रही है। नर्मदापुरम में अलग-अलग तारीखों को चुनाव प्रशिक्षण आयोजित हो रहे है। लेकिन कुछ अधिकारी-कर्मचारी प्रशिक्षण को लेकर गंभीर नहीं है। जो प्रशिक्षण में नहीं पहुंच रहे। अब निर्वाचन अधिकारी ने ऐसे 100 लोक सेवकों के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी कर ली।जो प्रशिक्षण में गैरहाजिर रहे है। सहायक नोडल अधिकारी प्रबंधन प्रशिक्षण ने बताया सामान्य प्रथम प्रशिक्षण में 7518 लोक सेवकों को प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें से 78 लोक सेवक अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार द्वितीय प्रशिक्षण में 6896 लोकसेवकों को प्रशिक्षण दिया। जिसमें से 22 लोक सेवक अनुपस्थित पाए गए। कुल 100 लोक सेवकों को कारण बताओ नोटिस सूचना पत्र जारी किए गए थे। जिन लोक सेवकों ने कारण बताओ नोटिस का जवाब समय सीमा में प्रस्तुत नहीं किया है, साथ ही जिनके जवाब संतोष प्राप्त नहीं पाए गए हैं,

मीडिया मॉनीटरिंग सेल में की जा रही है पेड न्यूज की मॉनीटरिंग

रायसेन (निप्र)। लोकसभा आम निर्वाचन-2024 में निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान निर्वाचन प्रचार-प्रसार, फेक तथा पेड न्यूज की सतत् मॉनीटरिंग हेतु कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरविंद दुबे के निर्देशन में कलेक्ट्रेट कार्यालय में मीडिया मॉनीटरिंग सेल बनाया गया है। जिसमें तीन पालियों में कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। जिनके द्वारा प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रानिक मीडिया और सोशल मीडिया पर 24 घण्टे मॉनीटरिंग की जा रही है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने पेड और फेक खबरों की सतत निगरानी कर रहे हैं। ड्यूटीरत कर्मचारियों को किसी भी प्रकार की पेड न्यूज़, भ्रामक, तथ्यहीन खबरों के साथ ही आचार संहिता के उल्लंघन की न्यूज संज्ञान में आने पर तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराने के निर्देश दिए गए हैं। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के तहत पेड न्यूज के मामलों में रिटर्निंग अधिकारी के माध्यम से अभ्यर्थी को नोटिस प्रदान किया जाएगा। नोटिस का उत्तर संतोषजनक होने पर पेड न्यूज का प्रकरण निराकृत माना जाएगा। अभ्यर्थी का जवाब असंतोषजनक पाए जाने पर तथा जांच करने पर सही पाए जाने पर पेड न्यूज का खर्च अभ्यर्थी के व्यय लेखा में जोड़ा जाएगा।

अग्रवाल समाज की महिलाओं ने कनक मंदिर में उत्सव मनाया

नर्मदापुरम(निप्र)। अखिल भारतीय अग्रवाल महिला महासभा द्वारा रामनवमी कनक मंदिर कोरीघाट पर विशेष रूप से मनाई गई। मंदिर में सिंहासन पर विराजमान भगवान श्री राम और जानकी मैया का पोशाक धारण कराया गया। हल्के हरे रंग और नीले रंग की नई पोशाक पहनाकर भगवान के भजन और कीर्तन किए। साथ ही दिव्य आरती कर रामनवमी का उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर नगर अध्यक्ष गायत्री अग्रवाल, जिला संरक्षक माया अग्रवाल, सुनीता आशीष अग्रवाल, जिला मंत्री सुनीता सतीश,अग्रवाल जिला कोषाध्यक्ष अध्यक्ष रेखा अग्रवाल, नगर उपाध्यक्ष नेहा अग्रवाल, सांस्कृतिक मंत्री नमीता अग्रवाल, नगर मंत्री मधु अग्रवाल, ममता अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल, उषा अग्रवाल, शालिनी अग्रवाल,श्रुति प्रिया अग्रवाल, वैशाली वंदन एवं अन्य उपस्थित रहे। मंदिर में महंत महेश्वरदास ने भगवान की पूजन की और भगवान को भाग लगाया। दोपहर 12 बजे भगवान की आरती की गई। नए पोशाक में भगवान का शृंगार देखते बन रहा था।

बीएलओ बांट रहे मतदाता पर्ची, 12 वैकल्पिक आईडी से कर सकेंगे वोटिंग

नर्मदापुरम(निप्र)। लोकसभा चुनाव के लिए 26 अप्रैल को मतदान होगा। मतदाताओं को मतदान करने में आसानी हो एवं उन्हें आसानी से मतदान केंद्र मिल जाए इसिलए निर्वाचन आयोग के निर्देश पर बीएलओ मतदाताओं के घर-घर जाकर उन्हें मतदाता पर्ची वितरित कर रहे है। स्पष्ट किया गया है कि मतदाता पर्ची मतदान का अधिकार नहीं है। मतदाताओं को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्देशित मतदाता परिचय पत्र के अलावा 12 वैकल्पिक फोटो युक्त दस्तावेज दिखाकर मतदान कर सकेंगे।

इसी क्रम में होशंगाबाद जिले में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में बीएलओ द्वारा घर घर जाकर मतदाता पर्ची का वितरण किया जा रहा है। नर्मदापुरम के अलावा पिपरिया, सोहागपुर, बनखेड़ी, इटारसी,ि सवनीमालवा में भी बीएलओ मतदाता पर्ची बांट रहे हैं।

झांसी-पुणे के लिए चलेगी समर स्पेशल ट्रेन : नर्मदापुरम इटारसी, खंडवा रेलवे-स्टेशन को रुकेगी ट्रेन

नर्मदापुरम(निप्र)। गर्मियों में यात्रियों की सुविधा के लिए वीरांगना लक्ष्मी बाई झांसी से पुणे के बीच में रेलवे समर स्पेशल ट्रेन चलाएगा। 20 अप्रैल से 29 जून तक प्रत्येक शनिवार व रविवार को समर स्पेशल ट्रेन चलेगी। ग्रीष्मकाल में अतिरिक्त यात्री यातायात को क्लीयर करने के उद्देश्य से वीरांगना लक्ष्मी बाई झांसी-पुणे-वीरांगना लक्ष्मी बाई झांसी समर स्पेशल ट्रेन 11-11 ट्रिप चला रहा है। गाड़ी संख्या 01924 वीरांगना लक्ष्मी बाई झांसी-पुणे समर स्पेशल ट्रेन 20 अप्रैल से 29 जून (प्रत्येक शनिवार) को वीरांगना लक्ष्मी बाई झांसी स्टेशन से दोपहर 12.50 बजे रवाना होगी। जो दोपहर 3.18 बजे बीना, 04.20 बजे विदिशा, 17.15 बजे भोपाल, 18.43 बजे नर्मदापुरम, 19.15 बजे इटारसी और मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए अगले दिन(रविवार) को 11.35 बजे पुणे पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 01923 पुणे-वीरांगना लक्ष्मी बाई झांसी समर स्पेशल ट्रेन 21 अप्रैल से 30 जून (प्रत्येक रविवार) को पुणे स्टेशन से शाम 4.00 बजे प्रस्थान कर मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए अगले दिन(सोमवार) को सुबह 5.05 बजे इटारसी, 5.25 बजे नर्मदापुरम, 7.40 बजे भोपाल, 8.40 बजे विदिशा, 10.33 बजे बीना और मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए दोपहर 1 बजे वीरांगना लक्ष्मी बाई झांसी स्टेशन पहुंचेगी।

गाड़ी के हाल्ट

रास्ते में यह गाड़ी दोनों दिशाओं में ललितपुर, बीना, विदिशा, भोपाल, नर्मदापुरम, इटारसी,खंडवा,भुसावल,मनमाड़, अंकाई, कोपरगाँव और अहमदनगर स्टेशनों पर रुकेगी।

जनरल ऑब्जर्वर डॉ प्रीतम बी.यशवंत ने उदयपुरा विधानसभा में मतदान केन्द्रों का किया निरीक्षण

रायसेन (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 140-उदयपुरा हेतु नियुक्त जनरल ऑब्जर्वर आईएएस डॉ प्रीतम बी.यशवंत ने मंगलवार को उदयपुरा विधानसभा अंतर्गत ग्राम नानपोन तथा सिलगेना में मतदान केन्द्र का निरीक्षण किया।

उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को मतदान केन्द्रों में निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन अनुसार सभी जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनरल ऑब्जर्वर डॉ प्रीतम बी.यशवंत ने कहा कि गर्मी को देखते हुये मतदान केंद्रों पर मतदान के दौरान टेंट, मेडिकल किट और पानी जैसी जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए। मतदान केन्द्रों के निरीक्षण के उपरांत उन्होंने दिग्वाड एसएसटी चेक प्वाइंट का भी निरीक्षण किया। उल्लेखनीय है कि होशंगाबाद संसदीय क्षेत्र में शामिल जिले के विधानसभा क्षेत्र 140-उदयपुरा में 26 अप्रैल 2024 को मतदान सम्पन्न होना है।

जिले में कहीं भी बोरवेल खुले पाए गए तो होगी सख्त कार्रवाई - कलेक्टर वैद्य

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने सख्त निर्देश दिए हैं कि जिले में कहीं भी बोरवेल खुले हुए नहीं पाए जाएं, यदि खुले बोरवेल के कारण कोई घटना होती है तो संबंधितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।कलेक्टर श्री वैद्य ने सभी एसडीएमो को इस मामले में गंभीरता बरतने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि खुले बोरवेल का सर्वे किया जाए। इस विषय को प्राथमिकता दें और आवश्यक कार्यवाही करें। उन्होंने इस संबंध में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों के साथ-साथ जनपद सीईओ को भी निर्देश दिए हैं। प्रदेश के जिले में हॉल ही में हुई घटना को दृष्टिगत रखते हुए उन्होंने विदिशा जिले में कहीं भी खुले बोरवेल पाए जाते हैं तो उन्हें त्वरित कार्यवाही करते हुए ढंकने की कार्यवाही संपादित किए जाने के निर्देश दिए हैं।

जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में मेहंदी, रंगोली के माध्यम से मतदाता जागरूकता का संदेश

विदिशा (निप्र)। स्वीप गतिविधि अंतर्गत आज विदिशा जिले के विभिन्न ग्रामों में ग्रामीण महिलाओं के द्वारा विविध प्रकार की मतदाता जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। महिलाओं द्वारा रंगोली, मेहंदी प्रतियोगिता सहित संगीतमय भजनों की प्रस्तुति देकर जिले के मतदाताओं को शत-प्रतिशत मतदान करने का संदेश दिया है। विदिशा के ग्राम पठारी हवेली, कराखेड़ी, कागपुर, स्वरूप नगर, करारिया लश्करपुर समेत अन्य ग्राम पंचायतों में स्थानीय महिलाएं कार्यक्रम में सहभागी होकर रंगोली, मेहंदी प्रतियोगिता में हिस्स लिया। महिलाओं द्वारा आकर्षक रंगोली सजाई गई रंगोली के माध्यम से उन्होंने मतदाता जागरूकता पर आधारित स्लोगन भी जमीन पर उकेरे। इसके अलावा सभी महिलाओं ने अपने-अपने हाथों पर मेहंदी भी लगाई। महिलाओं ने मेहंदी के कोन से मतदाता जागरूकता के विभिन्न प्रकार के संदेश उकेरकर मतदाता जागरूकता का संदेश दिया है। साथ ही ग्राम पंचायत करारिया लश्करपुर में महिलाओं ने संगीतमय भजनों की प्रस्तुति भी दी है। महिलाओं ने ढोलक और मंजीरा की धुन पर मतदाता जागरूकता पर आधारित भजन गाए और विशेष कर जिले की महिला मतदाताओं को शत-प्रतिशत मतदान करने के संदेशों का प्रसारण किया है।

इंदौर शहर में पारे ने तो लोगों को हलाकन कर रखा है लेकिन इस तपन भरे मौसम में जब अमलतास के आकर्षक फूलों के पास से गुजरने पर मन को बड़ी शांति मिलती है और मन प्रफुल्लित हो जाता है। गर्मी तो मानो अचानक छू मंतर हो जाती है। चित्र अरविंदो कालेज छेत्र का।

भाजपाइयों को एक ही काम... अपने जैसे और ले आओ...

इंदौर चुनाव से पहले सियासत जिस तेजी से 'यात्रा' कर रही है उससे भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दलों के पुराने नेता खासे दुखी हैं। कांग्रेसी इसलिए दुखी हैं कि सालों-साल पार्टी के साथ खड़े रहने वाले पुराने नेता भी पार्टी छोड़कर भाजपा में जा रहे हैं। पुराने भाजपाई इसलिए दुखी हैं क्योंकि जिस तेजी से कांग्रेस पदाधिकारी भाजपाई होते जा रहे हैं उससे पुरानों को पूछपरख कम होने की आशंका सता रही है। इन दोनों से इतर नए-नए भाजपाई बने नेता इसलिए दुखी हैं कि उन्हें काम यही दिया गया है कि अपने जैसे और भी नेताओं को ले आओ। भोपाल में तो इसका एक चरण हो भी चुका है अब जल्द ही इंदौर में ऐसे ही बड़े आयोजन की तैयारी हो रही है। यहां मैदान में कांग्रेसियों का भाजपा करण किए जाने की पटकथा तैयार हो रही है। अब देखना यह है कि यह संख्या कितनी बड़ी रहती है।

इंदौर आने और दुबई जाने वाले यात्री हुए परेशान

इंदौर। दुबई में भारी बारिश से बने बाढ़ जैसे हालात के चलते कल दुबई से इंदौर आकर वापस जाने वाली उड़ानें भी निरस्त रहीं, जिससे दुबई से इंदौर आने वाले यात्री वहीं फंस गए. वहीं इंदौर से जाने वाले यात्रियों ने भी उड़ान निरस्त होने पर हंगामा किया। एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान रात 10.30 बजे दुबई से इंदौर आकर 12.40 बजे वापस दुबई जाती है, लेकिन कल कंपनी ने इस उड़ान को निरस्त कर दिया। इस उड़ान से 186 यात्री दुबई जाने वाले थे। अधिकारियों ने बताया कि दुबई एयरपोर्ट पर पानी भर जाने से उड़ानों का संचालन नहीं हो पा रहा है। दुबई एयरपोर्ट प्रबंधन लगातार पानी निकालने का प्रयास कर रहा है, लेकिन स्थिति सामान्य होने में काफी समय लग रहा है। इसके चलते दुनिया के ज्यादातर देशों तक जाने और आने वाली उड़ानों का संचालन बंद किया गया है। इसी क्रम में इंदौर उड़ान को भी कल कंपनी ने निरस्त कर दिया।

17 हजार कर्मचारियों को दे रहे चुनाव प्रशिक्षण, कवरेज को लेकर भी जारी किए दिशा-निर्देश

इंदौर। लोकसभा चुनाव को लेकर हालांकि अधिक हल्ला-गुल्ला नहीं है, मगर आयोग के दिशा-निर्देशों के तहत जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा पूरी सतर्कता बरती जा रही है। कल अधिसूचना के साथ नामांकन-पत्र जमा होने का सिलसिला भी शुरू हो गया और पहले दिन दो उम्मीदवारों ने अपने नामांकन जमा किए, तो अभी चरणबद्ध तरीके से लगभग 17 हजार कर्मचारियों को निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़ी छोटी-छोटी जानकारियों से भी दिए जा रहे प्रशिक्षण में अवगत कराया जा रहा है। मतदान दलों से लेकर मतदान सामग्री वितरण सहित मतदान केन्द्रों पर चुनाव कराने वाले कर्मचारी इसमें शामिल हैं।चुनावी ड्यूटी निरस्त करवाने वालों की संख्या भी कम नहीं है। 1700 से अधिक आवेदन जिला निर्वाचन कार्यालय को प्राप्त हुए हैं, जिसमें बीमारी, शादी से लेकर विदेश जाने तक के लिए ड्यूटी से मुक्ति का अनुरोध किया गया है। हालांकि कलेक्टर आशीष सिंह ने इस मामले में सख्ती भी की है। दूसरी तरफ होल्कर विज्ञान महाविद्यालय में निर्वाचन सबंधी कार्य में लगे कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शासकीय कर्मचारी तथा अधिकारी उपस्थित थे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कर्मचारी-अधिकारियों में ईव्हीएम मशीन के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गयी। साथ ही प्रशिक्षणार्थी अधिकारियों-कर्मचारियों को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के संचालन का अभ्यास भी कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित मास्टर ट्रेनर्स से प्रशिक्षण में आये अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा निर्वाचन संबंधी सवाल किये गये, जिनका प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित मास्टर ट्रेनर्स द्वारा संतुष्टि पूर्ण जबाव दिया तथा उनकी निर्वाचन को लेकर जिज्ञासाओं का समाधान किया। अधिकारी-कर्मचारियों को निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़ी छोटी-छोटी जानकारी से अवगत रहने का महत्व समझाया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में निर्वाचन संबंधी गूगल लिंक के माध्यम से ऑनलाइन प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा उत्साह से भाग लिया गया। प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित अधिकारियों-कर्मचारियों को निर्वाचन संबंधी दायित्वों से अवगत कराया गया। मतदान प्रक्रिया को बिना किसी दवाब, प्रभाव के पूर्ण निष्ठा, निष्पक्षता, ईमानदारी, जिम्मेदारी के साथ भयमुक्त होकर सम्पन्न कराने की समझाइश दी गयी। अधिकारियों-कर्मचारियों से अपेक्षा की गयी कि वे निर्वाचन संबंधी कार्य पूर्ण निष्ठा से निभाये।

इंदौर संसदीय क्षेत्र के लिए दूसरे दिन दो उम्मीदवारों द्वारा नाम निर्देशन पत्र दाखिल

इंदौर। इंदौर संसदीय क्षेत्र के लिये नाम-निर्देशन पत्र दाखिल करने का सिलसिला जारी है। नाम-निर्देशन पत्र दाखिल करने के दूसरे दिन दो उम्मीदवारों द्वारा नाम निर्देशन पत्र दाखिल किये गये। लविश खंडेलवाल (निर्दलीय) तथा रवि सिरवैया (निर्दलीय) द्वारा नाम निर्देशन पत्र दाखिल किये गये। इन्हें मिलाकर अब तक कुल 4 उम्मीदवार नाम-निर्देशन पत्र दाखिल कर चुके है। नाम निर्देशन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 25 अप्रैल (गुरूवार) है। कलेक्टर कार्यालय में बनाए गए रिटर्निंग अधिकारी के कक्ष में प्रातः 11 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत किए जा सकेंगे। रविवार 21 अप्रैल को सार्वजनिक अवकाश होने से नाम निर्देशन पत्र जमा नहीं होंगे। प्राप्त नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा (जांच) का कार्य 26 अप्रैल 2024 (शुक्रवार) को होगा। अभ्यर्थी 29 अप्रैल 2024 (सोमवार) तक अपना नाम वापस ले सकते हैं। जिले में 13 मई (सोमवार) को मतदान होगा और 4 जून (मंगलवार) को मतगणना होगी।

हिदायत के बाद अग्नि सुरक्षा प्रबंध नहीं करने पर दो व्यावसायिक संस्थानों को किया गया सील

जिला प्रशासन द्वारा अग्नि सुरक्षा के मद्देनजर होटलों और अन्य संस्थानों के जांच की मुहीम जारी

इंदौर। इंदौर में अग्निशमन व्यवस्थाओं में सुधार के लिये कारगर प्रयास किये जा रहे है। जिले में अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिये सुरक्षा उपायों को मजबूत बनाया जा रहा है। कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देशन में गत दिवस जिला प्रशासन की टीम द्वारा दो व्यवसायिक संस्थानों को सील किया गया है। अन्य व्यवसायिक संस्थानों को भी चेतावनी दी गई है कि वे अपने-अपने संस्थानों में तुरंत ही अग्निशमन की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित कर ले नहीं तो उन्हें भी सील करने की कार्यवाही की जायेगी।

गत दिवस जिन दो संस्थानों को सील किया गया है उनमें रेती मंडी चौराहा डी मार्ट के पीछे स्थित होटल सेंसेशन और बिचोली मर्दाना स्थित लोटस शोरूम शामिल है। एसडीएम राऊ विनोद राठौर ने बताया कि फायर सुरक्षा को लेकर की जा रही जांच के अनुक्रम में रेती मंडी चौराहा डी मार्ट के पीछे होटल सेंसेशन का गत 24 मार्च को फायर सेफ्टी के संबंध में निरीक्षण किया गया था। अग्निशमन यंत्र एवं फायर सुरक्षा व्यवस्था न होने के कारण नोटिस जारी कर व्यवस्था ठीक करने हेतु निर्देशित किया गया था। किन्तु पुनः निरीक्षण किए जाने पर चेतावनी के बावजूद भी इस होटल द्वारा अग्निशमन व्यवस्था को दुरुस्त नही कराया गया जिस पर कार्यवाही करते हुए एसडीएम राऊ विनोद राठौर, नायब तहसीलदार धीरेश सोनी और प्रशासन एवं नगर निगम के संयुक्त अमले द्वारा होटल सेंसेशन को सील किया गया। इसी तरह बिचोली मर्दाना स्थित लोटस शोरूम का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में अग्निशमन की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से शोरूम को सील किया गया। एसडीएम श्रीमती कल्याणी पांडे ने बताया कि लोटस शोरूम को गत 28 मार्च को नगर निगम द्वारा नोटिस दिया जाकर पर्याप्त अग्निशमन व्यवस्था के लिए निर्देशित किया गया था परन्तु अग्निशमन व्यवस्था में कोई सुधार नहीं किया गया। उक्त भवन त्न+3 है, परंतु आग बुझाने के अपर्याप्त साधन हैं।

इंदौर नगर निगम ने दे दी नक्शे से 30% ज्यादा निर्माण के कंपाउंडिंग की अनुमति

इंदौर। ई-पोर्टल के अपडेट नहीं होने का खामियाजा इंदौर के हजारों लोगों को उठाना पड़ रहा है। राज्य शासन ने नगर निगम को स्वीकृत नक्शे से 30 प्रतिशत तक अधिक हुए निर्माण के कंपाउंडिंग की अनुमति तो दे दी, लेकिन ई-पोर्टल अब भी 10 प्रतिशत तक कंपाउंडिंग का विकल्प ही दिखा रहा है। इसके कारण आवेदक ऑनलाइन आवेदन ही नहीं कर पा रहे हैं।नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि भवन अधिकारियों को आफलाइन आवेदन स्वीकारने के निर्देश दे दिए गए हैं, लेकिन कई जगह भवन अधिकारी आफलाइन आवेदन ही नहीं ले रहे। ऐसी स्थिति में नागरिक चाहकर भी कंपाउंडिंग नहीं करवा पा रहे हैं। नगर निगम को इसके कारण राजस्व का नुकसान भी हो रहा है।

हजारों लोग लेना चाहते हैं योजना का लाभ

शहर में हजारों लोग हैं जो नगर निगम की 30 प्रतिशत तक कंपाउंडिंग योजना का लाभ लेना चाहते हैं। वे इसके लिए निर्धारित कंपाउंडिंग शुल्क चुकाने को भी तैयार हैं, लेकिन ई-पोर्टल अपडेट नहीं होने से आवेदन ही नहीं हो पा रहे हैं। नगर निगम को कंपाउंडिंग योजना से 200 करोड़ रुपये राजस्व प्राप्त होने की उम्मीद है, लेकिन जब आवेदन ही नहीं हो सकेंगे तो राजस्व कैसे मिलेगा?21 दिसंबर से आ रही दिक्कत

21 दिसंबर 2023 से ही नगर निगम का ई-पोर्टल गड़बड़ चल रहा है। इसके कारण आनलाइन सेवाएं बाधित हो गई हैं। हाल ही में पोर्टल चालू तो हो गया लेकिन यह अपडेट नहीं हो पा रहा है। पोर्टल वर्तमान वित्त वर्ष के बकाया संपत्ति कर की जानकारी तो दे रहा है, लेकिन पुराने रिकॉर्ड की जानकारी नहीं मिल पा रही। इस कारण संपत्ति कर जमा करने में भी लोगों को दिक्कत आ रही है।

आफलाइन आवेदन लेने के निर्देश

यह बात सही है कि ई-पोर्टल में दिक्कत के कारण 30 प्रतिशत कंपाउंडिंग की जानकारी अपडेट नहीं हुई है। हमने सभी भवन अधिकारियों से आफलाइन आवेदन लेने के लिए कहा है। इसके बावजूद अगर कोई भवन अधिकारी आफलाइन स्वीकार नहीं कर रहे हैं तो सूचना दें। कार्रवाई करेंगे। - सिद्धार्थ जैन, अपर आयुक्त नगर निगम इंदौर

यातायात- सुधार सिर्फ कागजों पर

इंदौर स्वच्छता और स्वाद के लिए देश-दुनिया में पहचाने जाने वाले इंदौर का बिगड़ा यातायात इस चमकते शहर पर धब्बे की तरह है। लाइलाज होती जा रही इस समस्या से निजात दिलाने के लिए सालों से तरह-तरह के दावे और वादे जिम्मेदार करते आ रहे हैं, लेकिन नतीजा सिफर ही रहता है। शहर की हृदय रेखा कही जाने वाली दो प्रमुख सड़कों जवाहर मार्ग और एमजी रोड पर यातायात के लिए बीते दस साल में एक दर्जन से ज्यादा प्रयोग किए जा चुके हैं। कभी सड़क के बीच अस्थाई डिवाइडर लगाकर तो कभी इस पर लोक परिवहन के बड़े वाहन बंद करके तो कभी इन्हें वन वे बनाकर लेकिन लोगों को बिगड़े यातायात से राहत नहीं मिली। नगर सरकार ने यातायात सुधारने का जिम्मा उठाते हुए सरकार से मांग की कि हमें ट्रैफिक इंजीनियर का पद देकर इस पर नियुक्ति कर दी जाए। लेकिन डेढ़ साल से ज्यादा समय बीतने के बाद भी प्रस्ताव कागजों पर ही है और सड़कों पर यातायात दिनों दिन बिगड़ ही रहा है।

फिर हादसे... फिर वही कहानी...

कुछ तो बात है कि सिस्टम सुधरता नहीं हमारा। शहर की बहुमंजिला इमारतों में बीते सालों में आग लगने की दसियों घटनाएं हो चुकी हैं। इमारत में लगी आग तो कुछ घंटों में बुझा दी जाती है लेकिन नियमों को तोड़-मरोड़कर सुलगती लापरवाही की आग न किसी फोम से बुझती है न पानी से। अग्निशमन इंतजामों को लेकर बीते सालों में दर्जनों आदेश प्रदेश सरकार और स्थानीय निकाय जारी कर चुके हैं लेकिन बावजूद इसके न इनका पालन होता है और न ही जांच। यही कारण है कि हर बार होने वाली अग्नि दुर्घटना के बाद जांच कमेटी बना दी जाती है। वह हर बार की तरह अनुशंसा करती है और बहुमंजिला इमारतों के कर्ता-धर्ता ये आश्वासन पत्र सौंप देते हैं कि अग्निशमन के पूरे इंतजाम करेंगे। हाल ही में विजयनगर क्षेत्र में आग लगने की घटना के दौरान फिर यही कहानी सामने आई। सवाल यह भी है कि हमारा सिस्टम आखिर पुख्ता क्यों नहीं होता।

आयुक्त द्वारा एबीसी प्रोग्राम की समीक्षा बैठक : प्रतिदिन 200 आवारा श्वानो की नसबंदी/रेबीज टीकाकरण के दिये निर्देश

एबीसी कार्य हेतु 2 अतिरिक्त वाहन के दिये निर्देश

इंदौर। आयुक्त शिवम वर्मा द्वारा शहर को रेबिजमुक्त शहर बनाने के साथ ही एबीसी प्रोग्रमा व डॉग बाईट को रोकने के लिये किये जा रहे कार्यो की स्मार्ट सिटी आफिस में समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बीएस सैत्या, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अखिलेश उपाध्याय, डॉ. उत्तम यादव, एबीसी कार्य में संलग्न एजेंसी के प्रतिनिधि व अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। आयुक्त वर्मा द्वारा शहर को रेबीजमुक्त बनाने के लिये निगम व जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा एबीसी प्रोग्राम के तहत किये जा रहे कार्यो की समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में एबीसी प्रोग्राम हेतु अनबंधित संस्थाओ के प्रतिनिधियों द्वारा एबीसी कार्य हेतु अतिरिक्त वाहन की आवश्यकता होने पर आयुक्त श्री वर्मा द्वारा वर्कशॉप प्रभारी को एबीसी प्रोग्राम हेतु 2 अतिरिक्त वाहन उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये। इसके साथ ही एबीसी कार्य में अनुबंधित संस्थाओ के प्रतिनिधियों द्वारा एबीसी सेल्टरो पर दुरुस्ती कराये जाने के संबंध में आग्रह करने पर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। आयुक्त वर्मा द्वारा शहर में

बढते डॉग बाईट के रोकथाम के क्रम में प्रतिदिन 200 आवारा श्वानो की नसबंदी-रेबीज टीकाकरण कार्य करने क निर्देश दिये गये। समीक्षा बैठक के दौरान स्वास्थ्य अधिकारी/प्रभारी अधिकारी ए.बी.सी. कार्यक्रम डॉ उत्तम यादव द्वारा बताया गया कि निगम द्वारा शहर के एन.जी.ओ के साथ भी अवेयरनेस एंटी रेबीज टीकाकरण 14/04/2024 को लगभग 200 श्वानों की वैक्सीनेशन कार्य के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही ए.बी.सी. कार्य हेतु अनुबंधित संस्था वेट्स सोसायटी डॉ मुरली द्वारा आवारा श्वानो के भोजन/पानी हेतु आयुक्त महोदय को वीडियो बताया गया वीडियो अनुसार संस्था द्वारा किस प्रकार से भोजन/पानी की व्यवस्था की जा रही के संबंध में भी जानकारी दी गई। इसके साथ ही डॉ उत्तम यादव द्वारा आगामी 27/04/2024 को वर्ल्ड वेटरनरी डे पर अवेयरनेस कार्यक्रम के संबंध में भी जानकारी दी गई।

पटाखा गोदामों की फिर से होगी जांच

इंदौर। हरदा की पटाखा फैक्ट्री में जो कुछ समय पूर्व जो भीषण विस्फोट हुआ था, उसके बाद इंदौर सहित प्रदेशभर में बड़ा जांच अभियान चला और इंदौर में ही कई पटाखा दुकानों, फैक्ट्रियों को सील भी किया और कुछ के लाइसेंस निरस्त किए गए तो कुछ की मंजूरी के लिए फाइलें भोपाल भी भेजीं। अभी इंदौर में अवैध पटाखा फैक्ट्री में भी विस्फोट हुआ, जिसमें झुलसे एक व्यक्ति की मौत हो गई। उसके बाद फिर जांच कराई गई तो दो पूर्व में सील की गई दुकानें खुली मिलीं, जिसके चलते प्रशासन ने एफआईआर (स्नढ्ढक्र) भी दर्ज करवा दी। दूसरी तरफ होटल, रेस्टोरेंट और ऊंची बिल्डिंगों में फायर फाइटिंग सिस्टम की जांच चल रही है, जिसमें कुछ प्रतिष्ठानों को सील किया गया। उनमें से एक बिल्डिंग को खोलने की इजाजत दी गई।अब रेस्टोरेंट, बार सहित बिल्डिंगों के कर्ताधर्ता ये लिखित में भरोसा दिला रहे हैं कि वे तय समय सीमा में फायर सिस्टम अपडेट कर लेंगे। लिहाजा उनके प्रतिष्ठान खोले जाएं, क्योंकि इससे व्यापार-व्यवसाय का भी नुकसान हो रहा है। दूसरी तरफ हरदा ब्लास्ट के बाद इंदौर के दो दर्जन पटाखा गोदाम, फैक्ट्रियों को भी सील किया गया था। अभी अंबा चंदन में जो अवैध फैक्ट्री में विस्फोट हुआ उसके बाद कलेक्टर आशीष सिंह ने जहां इसकी मजिस्ट्रियल जांच शुरू करवाई, वहीं नए सिरे से गोदामों-दुकानों की जांच के अलावा जो पूर्व में सील की गई थी फैक्ट्रियां, उनको भी चेक करवाया। बिचौली हब्सी एसडीएम कल्याणी पांडे ने बताया कि कल सील की गई इन पटाखा दुकानों की जब फिर से जांच की गई तो पता चला कि घनश्यामदास पिता नानकराम और जयप्रकाश पिता सुरेश सुख्यानी की पटाखा दुकानों पर प्रशासन द्वारा लगाई गई सील बगैर सक्षम आदेश के खोल दी गई है, जो कि विस्फोटक अधिनियम के विरुद्ध और शासकीय कार्य में बाधा के रूप में माना गया। लिहाजा उक्त दोनों पटाखा कारोबारियों के खिलाफ कल ही थाना तेजाजी नगर में एफआईआर भी दर्ज करवा दी गई। दूसरी तरफ पिछले दिनों प्रशासन ने प्रभु फायर वर्क्स, जयप्रकाश क्लासिक, साईंबाबा एजेंसी व अन्य के लाइसेंस निरस्ती के प्रस्ताव भी भोपाल भिजवाए थे, मगर इनकी अनुमति अभी नहीं मिली है। प्रशासन ने भी अपने स्तर पर कुछ फैक्ट्रियों के लाइसेंस निरस्त किए थे। इंदौर में लगभग 150 से अधिक पटाखा गोदाम, दुकान, फैक्ट्रियों की जांच के बाद 16 गोदाम और 8 फैक्ट्रियों को सील किया था। अब उनकी नए सिरे से आम्बाचंदन कांड के बाद जांच कराई गई। दूसरी तरफ फायर फाइटिंग सिस्टम की जांच भी कराई जा रही है। पिछले दिनों मचान रेस्टोरेंट में लगी भीषण आग के बाद रूफटॉप यानी छतों पर चल रहे रेस्टोरेंट-बार की जांच में कुछ को सील भी कलेक्टर ने करवाया, वहीं एक होटल सहित व्यवसायिक बिल्डिंग पर भी कार्रवाई की गई। अब यहां काम करने वाले व्यवसायियों का कहना है कि उनका नुकसान हो रहा है और तय समय सीमा में वे फायर फाइटिंग से जुड़े कार्य करवा लेंगे। पिछले दिनों तीन संस्थाओं ने भी इन निर्देशों का पालन कर लिया था।

सड़क बनाने के लिए तोड़ेंगे मनोरंजन पार्क

इंदौर। उमरीखेड़ा के पास इंदौर-खंडवा-एदलाबाद राजमार्ग का काम रुका है। वहां सड़क बनाने के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) को अतिरिक्त भूमि की आवश्यकता है। इसमें मनोरंजन पार्क की वनभूमि सड़क की जद में आ गई है। अब पार्क का मुख्य द्वार और टिकट घर को तोड़ा जाएगा। एनएचएआइ की तरफ से वन विभाग मुख्यालय को प्रस्ताव दिया गया है। उस पर वन व पर्यावरण मंत्रालय से मंजूरी मिल चुकी है। जल्द ही निर्माण एजेंसी काम शुरू कर सकेगी।216 किमी लंबे राजमार्ग का निर्माण चल रहा है। तेजाजी नगर से सिमरोल के बीच निर्माण एजेंसी उमरीखेड़ा के पास सड़क बनाने में लगी थी। सड़क का बेस तैयार करने के लिए खोदाई की गई। अधिकारियों को सूचना मिलते ही वन विभाग ने आपत्ति उठाई। सूत्रों के अनुसार एजेंसी को जमीन राजस्व की लगी, लेकिन असल में उमरीखेड़ा के पास वनक्षेत्र है। वहां से सड़क निकाली जानी है। बदले में राजस्व क्षेत्र में देनी होगी जमीन अधिकारियों की आपत्ति के बावजूद एजेंसी गुपचुप तरीके से काम कर रही थी। बाद में एनएचएआइ ने काम रोका। वैसे उमरीखेड़ा के पास करीब एक हेक्टेयर भूमि की जरूरत है। इस कारण पार्क का मुख्य द्वार और टिकट घर को तोड़ा जाएगा। एनएचएआइ ने प्रस्ताव बनाकर दे दिया है। दो दिन पहले मंजूरी मिल चुकी है। उसके बाद वनभूमि के बदले एनएचएआइ को राजस्व क्षेत्र में जमीन देनी होगी। साथ ही पौधे लगाने के लिए भी राशि आवंटित करेंगे। मंजूरी के बाद जल्द शुरू होगा काम एनएचएआइ के अधिकारियों के अनुसार प्रक्रिया पूरी कर ली गई है, जबकि डीएफओ महेंद्र सिंह सोलंकी का कहना है कि उमरीखेड़ा के पास सड़क निकालने के लिए अतिरिक्त जमीन की आवश्यकता थी, जो एनएचएआइ ने मूल प्रस्ताव में नहीं दर्शाया था। आपत्ति के बाद उक्त स्थान के बारे में नई फाइल तैयार कर भेजी थी। मंजूरी मिल गई है। अब सड़क का काम शुरू किया जा सकता है।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, शनिवार 20 अप्रैल, 2024

संपादकीय | नक्सलियों पर कंट्रोल करने से हथियारों तक पहुंच नहीं होगी

छत्तीसगढ़ के कांकेर में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में उनतीस नक्सलियों को मार गिराया। निस्संदेह यह बड़ी कामयाबी है। इस वर्ष इस घटना सहित अब तक करीब अस्सी नक्सली मारे जा चुके हैं। सरकार का कहना है कि छत्तीसगढ़ में नक्सली कुछ इलाकों तक सिमट कर रह गए हैं। जल्दी ही उन पर पूरी तरह नकेल कसी जा सकेगी। केंद्र और राज्य सरकारें ऐसे दावे बहुत समय से करती आ रही हैं, मगर हकीकत यह है कि अनेक उपायों, रणनीतियों और प्रयासों के बावजूद वहां माओवादी हिंसा पर काबू पाना कठिन बना हुआ है। थोड़े-थोड़े समय पर नक्सली सक्रिय हो उठते और घात लगा कर सुरक्षाबलों पर हमला कर देते हैं।

अगर सचमुच नक्सलियों को कुछ इलाकों तक समेट दिया गया होता और उनके संगठन कमजोर हो गए होते, तो उनके पास अत्याधुनिक हथियारों की पहुंच संभव न होती, सुरक्षाबलों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए उनके पास कारगर संचार प्रणाली न होती। छत्तीसगढ़ में करीब चालीस वर्ष से माओवादी हिंसा का दौर चल रहा है। इस बीच अनेक रणनीतियां अपनाई गईं, मगर वे कारगर नहीं हो पाई हैं। चुनाव के माहौल में सुरक्षाबलों की ताजा कामयाबी से नक्सली उपद्रवियों का मनोबल जरूर कमजोर होगा, पर इस समस्या को जड़ से समाप्त करने के लिए व्यावहारिक कदम की अपेक्षा अब भी बनी हुई है।

दरअसल, आदिवासी इलाकों में माओवादी हिंसा की कई परतें हैं। आदिवासियों को लगता है कि सरकार उनके जंगल और जमीन छीन कर उद्योगपतियों को सौंप देना चाहती है। वे इसका

विरोध करते रहे हैं। शुरू में इस मसले को बातचीत के जरिए सुलझाने की कोशिश की गई, मगर वह किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सकी। फिर बंदूक के जरिए उन पर काबू पाने का प्रयास किया जाने लगा। फिर आदिवासियों और समर्पण करने वाले नक्सलियों को ही बंदूक देकर नक्सली संगठनों के खिलाफ खड़ा करने की रणनीति अपनाई गई। उसमें काफी खून-खराबा हुआ, मगर नक्सली समस्या को समाप्त कर पाना संभव न हो सका। हेलीकाप्टर, ड्रोन और अत्याधुनिक संचार तकनीकी के जरिए उनकी गतिविधियों पर नजर रखी जाने लगी, पर उसमें भी बहुत कामयाबी नहीं मिल सकी। नक्सली कई मौकों पर सुरक्षाबलों को अपने जाल में फंसा कर हमला करते भी देखे जा चुके हैं। दो साल पहले इसी तरह उन्होंने बीजापुर में बाईस सुरक्षाबलों को मार गिराया था।

नक्सली समस्या से पार पाने के लिए दो तरह के विचार काम करते रहे हैं, जिसमें आदिवासियों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए उनके इलाकों में विकास कार्यक्रमों पर बल देने की सिफारिश की जाती रही है। इसके तहत पिछली सरकार ने कई योजनाएं भी चलाई थी, ताकि उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो सके। दूसरा विचार बंदूक के बल पर नक्सलियों के सफाए का रहा है। मगर हकीकत यह है कि उनसे निपटने के लिए कोई व्यावहारिक नीति आज तक नहीं बन सकी है।

हजारों निरपराध आदिवासी जेलों में बंद हैं, उनकी रिहाई के बारे में कोई कदम नहीं उठाया जा सका है। पांच-छह साल पहले एक नीति बनाने पर जरूर जोर दिया गया था, जिसमें उनसे बातचीत का प्रस्ताव भी था, मगर वह नीति बन नहीं सकी। सबसे जरूरी है, स्थानीय आदिवासियों में यह भरोसा पैदा करना कि सरकार उनके जीवन में बेहतरी के लिए प्रतिबद्ध है। उनके जल, जंगल, जमीन के मसले पर संजीदगी से बात हो, तो शायद वे हिंसा का रास्ता छोड़ने को तैयार हो जाएं।

आयुक्त द्वारा निगम मुख्यालय स्थित विभिन्न विभागों का औचक निरीक्षण

रिकार्ड संधारण हेतु व्यवस्था करने के निर्देश

इंदौर। आयुक्त शिवम वर्मा द्वारा निगम मुख्यालय स्थित विभिन्न विभागो का औचक निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा, अभय राजनगांवकर, मनोज पाठक, देवधर दरवई व विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। आयुक्त शिवम वर्मा द्वारा कल निगम मुख्यालय स्थित लेखा शाखा कार्यालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान आयुक्त वर्मा द्वारा कर्मचारियों की बैठक व्यवस्था का अवलोकन करते हुए लेखा विभाग के बाहर रखी क्षतिग्रस्त कुर्सी को हटाने के निर्देश दिये गये। इसके पश्चात निगम के नवीन भवन में स्थित स्थापना विभाग, कालोनी सेल विभाग, उद्यान विभाग, परिषद कार्यालय, लोक सूचना विभाग, स्वास्थ्य स्थापना शाखा का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान आयुक्त वर्मा द्वारा कर्मचारियों एवं नागरिकों के विभाग में आने के दौरान बैठक व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। आयुक्त वर्मा द्वारा नवीन भवन में स्थित शौचालय के बाहर खुले स्थान में बनाये गये वॉश बेसिन से खुले में पानी बहने पर वॉश बेसिन को उक्त स्थान से हटाकर बाथरूम परिसर में ही वॉश बेसिन बनाने के निर्देश दिये गये। इसके पश्चात उद्यान विभाग शाखा का निरीक्षण किया गया और कर्मचारियो के उपस्थिति रजिस्टर का अवलोकन किया गया। अवलोकन के दौरान उद्यान विभाग के उपस्थिति रजिस्टर में बिना सक्षम स्वीकृति के अनुपस्थित कर्मचारियों को स्पष्टीकरण के संबंध में नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गये। आयुक्त वर्मा द्वारा निगम मुख्यालय स्थित विभिन्न विभागो के निरीक्षण के दौरान विभागो में रखे रेकार्ड के संबंध में जानकारी ली गई कि किस प्रकार से निगम कार्यो से संबंधित रिकार्ड को संधारित किया जाता है, कहां रखा के संबंध में जानकारी लेते हुए, रिकार्ड संधारण के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

एक जून तक प्रतिबंधित रहेगा एग्जिट पोल और इसके परिणाम का प्रकाशन या प्रचार

इंदौर। भारत निर्वाचन आयोग ने लोकसभा चुनाव के मद्देनजर लागू आदर्श आचार संहिता के दौरान 19 अप्रैल की सुबह 7 बजे से निर्वाचन के संबंध में किसी भी प्रकार के एग्जिट पोल का संचालन तथा प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में इसके परिणाम का प्रकाशन या प्रचार अथवा किसी भी अन्य तरीके से इसका प्रचार-प्रसार करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह प्रतिबंध एक जून की शाम 6-30 बजे तक रहेगा।भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 28 मार्च 2024 को इस आशय की अधिसूचना जारी की जा चुकी है। जारी अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि निर्वाचन के दौरान सभी मतदान क्षेत्रों में मतदान की समाप्ति के लिये नियत समय पर समाप्त होने वाले 48 घंटों के दौरान किसी भी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में किसी भी ओपिनियन पोल या किसी अन्य मतदान सर्वेक्षण के परिणामों सहित किसी भी प्रकार के निर्वाचन संबंधी मामलों के प्रदर्शन पर भी पूर्णत- प्रतिबंध रहेगा। उल्लेखनीय है कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 126क में यह प्रावधानित किया गया है कि कोई भी व्यक्ति, कोई निर्गम मत सर्वेक्षण नहीं करेगा और किसी निर्गम मत सर्वेक्षण के परिणाम का ऐसी अवधि के दौरान, जो निर्वाचन आयोग द्वारा इस संबंध में अधिसूचित की जाए, प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से प्रकाशन या प्रचार या किसी भी प्रकार की अन्य रीति से प्रसार भी नहीं करेगा। यदि कोई व्यक्ति इस प्रावधान का उल्लंघन करेगा, तो वह ऐसी अवधि के कारावास से, जो दो वर्ष तक की हो सकेगी या जुर्माने से या दोनों से, दंडनीय होगा।

ग्रामीण उपभोक्ता मांग और चुनौतियां...

अजय जोशी

> अधिकांश ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग नब्बे फीसद लोगों की आजीविका का माध्यम खेती है। मछली पालन, पशु पालन, हस्तशिल्प उत्पादों का निर्माण जैसी कुछ गैर-कृषि गतिविधियों से जुड़ी सामान्य आजीविकाएं हैं, लेकिन ये सभी मौसमी हैं, जिनमें आय की अनियमितता बनी रहती है। ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक वैकल्पिक रोजगार के अवसर उपलब्ध नहीं हैं। ये सभी कारक किसी न किसी रूप में उपभोक्ता मांग को प्रभावित करते हैं। भारत दुनिया की सबसे अधिक ग्रामीण जनसंख्या वाला देश है। इसमें 87.8 करोड़ ग्रामीण निवासी हैं जो किसी न किसी रूप में उपभोक्ता हैं। तेज शहरीकरण के बावजूद वर्ष 2040 तक देश की आधे से अधिक जनसंख्या का निवास गांवों में ही होगा। इस दृष्टि से ग्रामीण उपभोक्ता मांग बढ़ाना देश के तीव्र आर्थिक विकास के लिए बहुत महत्त्वपूर्ण है। इससे उत्पादन में वृद्धि होगी, उत्पादन बढ़ेगा तो रोजगार बढ़ेगा, प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि होगी।

हाल में हुए 'सेंटर फार मानिटरिंग इंडियन इकोनामी' (सीएमआइई) के ताजा सर्वेक्षण में बताया गया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोक्ता मांग तेजी से बढ़ी है। यहां टीवी, फ्रिज, कूलर, पंखा, एसी आदि की मांग 2019 के कोरोना काल के बाद 25.82 फीसद बढ़ी है। अप्रैल 2020 में सिर्फ 2.03 फीसद ग्रामीण उपभोक्ता मान रहे थे कि टीवी, फ्रिज, कूलर, एसी, पंखे, ट्रैक्टर, दुपहिया वाहन आदि खरीदने का उनके लिए यह सबसे अच्छा समय है, लेकिन अब 27.85 फीसद ग्रामीण उपभोक्ता मानते हैं कि वर्तमान समय इसके लिए सबसे बेहतर है। लोकसभा चुनाव के दौर में धन के प्रवाह को भी इसकी एक वजह माना जा रहा है। इसी वर्ष जनवरी में ग्रामीण उपभोक्ता मांग का सूचकांक कम हो गया था, मगर चुनाव की घोषणा के बाद मार्च में तेजी आने लगी। रपट में यह भी कहा गया है कि ग्रामीण उपभोक्ता मानते हैं कि अगले पांच साल उनकी वित्तीय स्थिति और अच्छी बनी रहेगी।

अप्रैल 2019 में 29.74 फीसद ग्रामीण मानते थे कि आर्थिक हालात बेहतर हैं, लेकिन मई 2021 में ऐसा मानने वाले सिर्फ 2.93 फीसद रह गए थे। चुनाव की तिथियां घोषित होने के बाद मार्च 2024 में बढ़कर यह संख्या 31.60 फीसद हो गई है। वाहन उद्योग में भी ग्रामीण उपभोक्ता मांग में तेजी आई है। कुछ दिनों पहले आरबीआइ के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बताया था कि वित्तवर्ष 2020-23 की दूसरी तिमाही में दुपहिया वाहनों की 30.3 फीसद और ट्रैक्टर की बिक्री 16.1 फीसद बढ़ी है। ग्रामीण वित्त विशेषज्ञों का मानना है अगले पांच वर्षों में ग्रामीण उपभोक्ता मांग में और तेजी आने की संभावना है।

ग्रामीण उपभोक्ता मांग में बढ़ोतरी के कई कारक हैं, जिनमें ग्रामीण आय में वृद्धि प्रमुख है। विगत कुछ वर्षों में ग्रामीण जीवन स्तर में सुधार हुआ है। सरकारों ने इसके लिए बहुत से प्रयास किए हैं। इनमें गरीबी और असमानता को कम करने, सामाजिक सुरक्षा, आय सृजन और आजीविका के विकल्प प्रदान करने और देश में आबादी के कमजोर वर्गों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने हेतु किए जाने वाले उपाय शामिल हैं। इसके लिए कई लक्षित कार्यक्रम शुरू किए गए, जिनमें प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा, दीनदयाल अंत्योदय योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम, प्रधानमंत्री जन-धन योजना, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, स्टैंड-अप इंडिया योजना, अल्पसंख्यकों और अन्य कमजोर वर्गों के लिए अंब्रेला कार्यक्रम, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, पीएम-किसान के तहत फंड ट्रांसफर, पीएम फसल बीमा योजना का दावा भुगतान, उर्वरक सब्सिडी, डेयरी सहकारी समितियों और कृषि-बुनियादी ढांचे के लिए ब्याज छूट, फार्म गेट इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए फंड उपलब्ध कराना आदि प्रमुख हैं।

ग्रामीण उपभोक्ता आय में वृद्धि की दृष्टि से डीबीटी योजना सबसे महत्त्वपूर्ण है। इसमें जिन योजनाओं के अंतर्गत नकद भुगतान की व्यवस्था है, उनमें धन को सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में हस्तांतरित कर दिया जाता है। फिलहाल इस व्यवस्था में सरकार के 53 मंत्रालयों की 310 योजनाएं शामिल हैं, जिनमें प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, पीएम किसान, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण, अटल पेंशन योजना, राष्ट्रीय आयुष मिशन आदि के अंतर्गत दिए जाने वाले लाभ शामिल हैं। इन योजनाओं से जुड़ी समस्याएं भी कम नहीं हैं। इनमें नामांकन केंद्रों का दूर-दूर होना, नामांकन के लिए जिम्मेदार अधिकारियों या संचालकों का नियमित उपस्थित न होना, योजनाओं के बारे में जन साधारण को जानकारी न होना आदि शामिल हैं। अभी भी देश के कई ग्रामीण और आदिवासी दूरस्थ क्षेत्रों में बैंकिंग सुविधा और सड़क संपर्क नहीं है, लोगों में वित्तीय साक्षरता की भी कमी है। लाभार्थियों के नाम में वर्तनी की त्रुटियां, लंबित केवाईसी, बंद या निष्क्रिय बैंक खाते, आधार और बैंक खाते के विवरण में असमानता आदि के कारण डीबीटी में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। यद्यपि डीबीटी से सीधे लाभार्थी के खाते में पूरी धन राशि पहुंच जाती है, लेकिन खाते में डालने से पहले अपना कमीशन आदि नकद में ले लेना, कागजी कार्रवाई के दौरान ही कमीशन आदि के रूप में धन वसूल लेने जैसी जमीनी स्तर की समस्याएं बनी रहती हैं। अभी भी ग्रामीण क्षेत्रों के उपभोक्ताओं का एक बड़ा वर्ग गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहा है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन (एनएसएसओ) बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ग्रामीण या शहरी परिवार को आवश्यक न्यूनतम राशि निर्धारित करने के लिए सर्वेक्षण करता और उसके आधार पर जनसंख्या को गरीबी रेखा से ऊपर और गरीबी रेखा से नीचे वर्गीकृत करता है। वर्तमान आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2012 से 2020 के मध्य लगभग 7.6 करोड़ लोग गरीबी रेखा के अंदर आए। इनमें ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की संख्या लगभग पांच करोड़ है। बड़ी संख्या में गरीबी की रेखा के नीचे रहने के कारणों में वर्ष 2017 से 2020 के मध्य भारतीय अर्थव्यवस्था में आई मंदी की स्थिति, वर्ष 2017-18 के आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के अनुसार इस अवधि में गत 45 वर्षों में बेरोजगारी के उच्चतम स्तर, वास्तविक मजदूरी में कमी, कोविड महामारी जैसे कारण बताए जाते हैं।

अधिकांश ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग नब्बे फीसद लोगों की आजीविका का माध्यम खेती है। मछली पालन, पशु पालन, हस्तशिल्प उत्पादों का निर्माण जैसी कुछ गैर-कृषि गतिविधियों से जुड़ी सामान्य आजीविकाएं हैं, लेकिन ये सभी मौसमी हैं, जिनमें आय की अनियमितता बनी रहती है। ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक वैकल्पिक रोजगार के अवसर उपलब्ध नहीं हैं। ये सभी कारक किसी न किसी रूप में उपभोक्ता मांग को प्रभावित करते हैं। भारत दुनिया की सबसे अधिक ग्रामीण जनसंख्या वाला देश है। इसमें 87.8 करोड़ ग्रामीण निवासी हैं जो किसी न किसी रूप में उपभोक्ता हैं। तेज शहरीकरण के बावजूद वर्ष 2040 तक देश की आधे से अधिक जनसंख्या का निवास गांवों में ही होगा। इस दृष्टि से ग्रामीण उपभोक्ता मांग बढ़ाना देश के तीव्र आर्थिक विकास के लिए बहुत महत्त्वपूर्ण है। इससे उत्पादन में वृद्धि होगी, उत्पादन बढ़ेगा तो रोजगार बढ़ेगा, प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि होगी। ये सब देश की जीडीपी बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण योगदान करने और देश को आर्थिक महाशक्ति बनाने में सहायक होंगे।

उपभोक्ता मांग में बढ़ोतरी के लिए जरूरी है कि ग्रामीण उपभोक्ता की आय में वृद्धि हो। इसके लिए ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकाधिक ग्रामीण बैंकों, सहकारी समितियों और स्कूलों की स्थापना सहित सामाजिक आर्थिक बुनियादी ढांचे का विकास करना जरूरी है। साथ ही, पेयजल, बिजली, ग्रामीण सड़कें और स्वास्थ्य देखभाल जैसी सामुदायिक सेवाओं और सुविधाओं में सुधार तथा विस्तार भी जरूरी है। कृषि आय बढ़ाने, अधिकाधिक वैकल्पिक रोजगार अवसर उपलब्ध कराने, ग्रामीण हस्तशिल्प उत्पादों को प्रोत्साहित करने और उनके सुदृढ़ विपणन की व्यवस्था करने जैसे कुछ प्रभावी उपाय जरूरी हैं, तभी ग्रामीण आय और उपभोक्ता मांग में और बढ़ोतरी हो सकेगी।

सड़क की राह करें आसान, नर्मदा ने किया निहाल

इंदौर। लोकसभा चुनाव करीब आते ही चुनावी चर्चा भी आम होती जा रही है। गली-मोहल्ले, गार्डन, पुलिया और चाय के ठीयों पर समूह में एकत्र युवा पांच वर्षों का आकलन कर रहे हैं। चर्चा में सरकार के कामों की तारीफ तो है, साथ ही कई विकास कार्य नहीं होने को लेकर नाराजगी भी है। इस बार मतदाता भावी सांसद को लेकर खाका तैयार कर रहे हैं, ताकि आगामी वर्षों में विकास से जुड़े वे काम पूरे हो सकें, जिनका वर्षों से इंतजार है।लिंबोदी क्षेत्र में गुरुवार को युवा लोकसभा चुनाव को लेकर चर्चा कर रहे थे। इस दौरान दिनेश शर्मा ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में लिंबोदी क्षेत्र में कई काम ऐसे हुए हैं, जिनके लिए वर्षों से मांग की जा रही थी। दो लेन की खंडवा रोड पर वाहन चलाना तक मुश्किल होता था। आए दिन छोटे-बड़ी सड़क दुर्घटनाएं होती थीं, लेकिन इस बार यहां सिक्सलेन सड़क बनकर तैयार हो चुकी है।

इससे बार-बार लगने वाले जाम से भी मुक्ति मिल गई है, वहीं सड़क दुर्घटनाओं पर भी अंकुश लगा है, लेकिन लिंबोदी से लेकर बायपास तक बनने वाली सड़क आज तक नहीं बन पाई है जबकि कई बार सर्वे कार्य हो चुका है। यह सड़क सीधे बायपास के पहले एमआर-9 सड़क से मिलना है। इसके बनने के बाद सीधे बायपास जाने के लिए शॉर्टकट रास्ता मिलेगा। साथ ही नायता मुंडला बस स्टैंड भी पहुंचना आसान हो जाएगा।

क्षेत्र के तालाब पर किसी का ध्यान नहीं

कन्हैया मीणा ने कहा कि लिंबोदी के कई क्षेत्रों में नर्मदा जल आना शुरू हो गया है, जिससे बोरिंग का उपयोग तो कम हुआ है। लेकिन कई कंपनियां ऐसी हैं, जहां नर्मदा लाइन तो बिछ गई है, लेकिन नर्मदा जल नहीं आया है। इस ओर जनप्रतिनिधियों को सोचना चाहिए। क्षेत्र की समस्या छोटी हो या बड़ी हो, जनप्रतिनिधियों को उसे मुख्य समस्या मानकर हल करना चाहिए। कार्तिक मीणा ने बताया कि क्षेत्र में दो तालाब बने हैं। इनमें बिलावली तालाब पर हर दिन हजारों की संख्या में लोग मार्निंग वॉक पर जाते हैं, लेकिन यहां किसी तरह की सुविधा नहीं है। यहां बना व्यू पाइंट टूटने की कगार पर है, लेकिन जनप्रतिनिधि इस ओर ध्यान नहीं देते हैं। तालाब की पाल से लगकर कई होटल खुल गए हैं, उस पर किसी का ध्यान नहीं है। लिम्बोदी तालाब पर कुछ वर्ष पहले एकांत पार्क बनाने की योजना बनी थी। इस पर आज तक काम नहीं हुआ है।

कान्ह नदी बन गई नाला

बृजेश कुमार ने कहा कि लिंबोदी क्षेत्र में तेजी से कॉलोनियां विकसित हो रही हैं। जनसंख्या भी बढ़ रही है, लेकिन संसाधन नहीं बढ़ रहे हैं। जहां पहले खेत थे, वहां अब कंपनियां हैं। विकास जरूरी है, लेकिन पर्यावरण का ध्यान रखना भी जरूरी है। विनोद पाटीदार ने कहा कि लिंबोदी के बीच से सरकारी नाला गुजर रहा है। दरअसल यह कान्ह नदी का हिस्सा है। यह तिल्लौर से शुरू होकर पालदा में जाकर मिलता है। इस नाले पर कई जगह पर अतिक्रमण हो गया है। इसके बाद धीरे-धीरे यह चैनल खत्म होती जा रही है। जनप्रतिनिधियों द्वारा कान्ह नदी के इस हिस्से का लेकर गंभीरता नहीं दिखाई जाती है। अगर नदी में सीवरेज और अतिक्रमण को हटा दिया जाए तो क्षेत्र का भूजल स्तर तो सुधरेगा ही, साथ ही सुंदरता भी बढ़ेगी।

लोकतंत्र प्रहरी संघ की धार्मिक यात्रा संपन्न, संगठन के 50 लोग थे शामिल

इंदौर। लोकतंत्र प्रहरी संघ द्वारा विभिन्न स्थानों पर सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसी कड़ी में संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष गणेश अग्रवाल व कोषाध्यक्ष रमेश मंदवानी के नेतृत्व में पिछले दिनों अयोध्या, ओरछा, वाराणसी एवं प्रयागराज की आठ दिवसीय धार्मिक यात्रा आयोजित की गई। इस यात्रा में संगठन से प्रदेश के करीब 50 लोग शामिल हुए थे जिसमें विपिन शेखावत, भगवती कुंडल, कन्हैयालाल रिजवानी, शिवनारायण पाठक, कन्हैयालाल पाटीदार, मोहनलाल आर्य, बाबूलाल शर्मा एवं प्रेमस्वरूप शर्मा, लक्ष्मी राठौर, पुष्पा मौर्यानी, सुधा जैन, श्रीमती डोलारे सहित बड़ी संख्या में संगठन के लोग शामिल थे। यात्रा जत्थे को सांसद शंकर लालवानी, विधायक मधु वर्मा, विश्वहिंदू परिषद के हुकमचंद सांवला आदि गणमान्य लोगों ने स्वागत कर विदाई दी।

वातानुकूलित बस द्वारा रवाना हुई यात्रा में दोनों समय चाय-नाश्ता, भोजन व फलाहार की व्यवस्था हिमांशु गुप्ता एवं उनके सहयोगियों द्वारा की गई। यात्रा की शुरुआत ओरछा में श्री राम राजा सरकार मंदिर से हुई। तत्पश्चात अयोध्या में श्री राम मंदिर, श्री हनुमान गढ़ी, कनक महल, सीता रसोई, भूत-भावन बाबा विश्वनाथ, प्रयागराज के साथ जैन तीर्थ पुष्पगिरी के दर्शन के साथ इंदौर में संपन्न हुई। 2017 में स्थापित लोकतंत्र प्रहरी संघ से मीसा बंदियों (लोकतंत्र सेनानियों) के परिवारों जुड़े हैं।

आपकी शिकायत/समस्याओं में
आपका साथी
दैनिक सद्भावना पाती
शिकायत / पत्र संपादक के नाम
आप किसी समस्या, शिकायत, मुद्दे, जानकारी, गड़बड़ी, भ्रष्टाचार, नियम विरुद्ध काम आदि की शिकायत संपादक के नाम व्हाट्सएप पर भेज सकते हैं।
सर्वप्रथम आप अपने मोबाइल में सीएम हेल्पलाइन 181 एप डाउनलोड करें
और उस पर शिकायत उपरांत हमे उसका स्क्रीन शॉट और फोटो भेजें।
हम उस शिकायत को दैनिक सद्भावना पाती में प्रकाशित करेंगे और आपकी समस्या/शिकायत को शीघ्र खत्म करने का प्रयास करेंगे।
केवल व्हाट्स एपकरें, कॉल न करें।
व्हाट्स ऐप न. 9685611304
ईमेल आईडी- reporter.spnews@gmail.com
नोट :- जनहित की समस्याओं पर उचित ईनाम भी दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

होंडा मोटरसाइकिल ने मानेसर संयंत्र में नई असेम्बली लाइन शुरू की

नईदिल्ली, एजेंसी। दोपहिया वाहन विनिर्माता होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने गुरुग्राम के मानेसर स्थित अपने विनिर्माण संयंत्र में नई इंजन असेम्बली लाइन शुरू की है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि मानेसर में स्थित उसके वैश्विक संसाधन संयंत्र में लगी नई असेंबली लाइन की क्षमता प्रतिदिन 600 इंजन के विनिर्माण की है। इस असेंबली लाइन के जरिए कंपनी कम्प्लीटली नॉक्ड डाउन (सीकेडी) निर्यात पर नजरें टिकाए हुए है। सीकेडी निर्यात के तहत उत्पाद की आपूर्ति अलग-अलग कलपुर्जों के रूप में की जाती है और उन्हें गंतव्य स्थल पर असेम्बल किया जाता है। यह असेंबली लाइन दुनिया भर में ग्राहकों की विविध जरूरतों और प्राथमिकताओं को पूरा करते हुए 110 सीसी से 300 सीसी तक के इंजन मॉडलों का उत्पादन करने के लिए सुसज्जित है। वर्तमान में एचएमएसआई यूरोप, मध्य और लातिन अमेरिका, पश्चिम एशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया, जापान, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और दक्षेस देशों में फैले 58 बाजारों को निर्यात करती है। कंपनी के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुत्सुमू ओटानी ने कहा कि इस असेंबली लाइन के शुरू होने से कंपनी को अपनी निर्यात क्षमता बढ़ाने और बाजार प्रसार में मदद मिलेगी।

तोशिबा ने किया 5,000 कर्मचारियों की छंटनी का फैसला

नईदिल्ली, एजेंसी। दिग्गज जापानी कंपनी तोशिबा कॉर्पोरेशन ने जापान में 5,000 कर्मचारियों की छंटनी करने का फैसला किया है। यह कंपनी के कुल वर्कफोर्स का 10 प्रतिशत है। तोशीबा की ओर से ये फैसला कंपनी के परिचालन पुनर्गठन के चलते लिया गया है। कंपनी इंफ्रा और डिजिटल टेक्नोलॉजी जैसे सेक्टर्स पर फोकस करना चाहती है। बता दें, तोशीबा जापान की बड़ी नियोक्ता कंपनियों में से एक है लेकिन हाल के वर्षों में कंपनी को कुछ मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। कंपनी में कई प्रकार के मैनेजमेंट और घोटाले सामने आए हैं। हाल के वर्षों में जापान में होने वाली ये सबसे बड़ी छंटनियों में से एक है। इसका असर जापान के कॉरपोरेट कल्चर पर होगा, जहां मजबूत श्रम कानूनों के चलते छंटनी होना कोई आम बात नहीं हैं। जापान में नौकरी पेशा और युवा लोगों की अन्य देशों के मुकाबले कमी है। निक्केई की रिपोर्ट है कि शिसीडो, ओमरोन और कोनिका मिनोल्टा सहित अन्य प्रमुख जापानी कंपनियों ने भी हाल ही में कर्मचारियों की कटौती की घोषणा की है। तोशिबा जापान की एक एमएनसी कंपनी है। इसका कारोबार दुनिया के कई देशों में फैला हुआ है। कंपनी लैपटॉप, राइस कुकर और इलेक्ट्रोनिक्स के साथ कई अन्य सेक्टर में कारोबार करती है। 2015 में सामने आए घोटले और मैनेजमेंट के इश्यू के चलते कंपनी को बड़ा झटका लगा था ।

देश के सबसे पुराने कॉरपोरेट घराने में शुरू हुआ बंटवारा! परिवार के सदस्यों ने उठाया यह कदम

▶▶ देश का सबसे पुराना औद्योगिक घराना है गोदरेज ग्रुप ▶▶ ग्रुप में बंटवारे की खबरें काफी समय पहले से आ रही थीं

नईदिल्ली, एजेंसी। गोदरेज परिवार ने एक सदी से भी पहले से स्थापित अपने विशाल ग्रुप को औपचारिक रूप से विभाजित करने की शुरुआत कर दी है। इस मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि परिवार के दो गुटों ने अब एक-दूसरे की कंपनियों के बोर्ड से इस्तीफा दे दिया है। अब वह जल्द ही एक-दूसरे की कंपनियों में हिस्से बेच देंगे। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए इस साल की शुरुआत में आदि और नादिर गोदरेज ने गोदरेज एंड बॉयस के बोर्ड से इस्तीफा दे दिया था, जबकि जमशेद गोदरेज ने जीसीपीएल और गोदरेज प्रॉपर्टीज के बोर्ड से अपनी सीट छोड़ दी। यह विभाजन परिवार की दो शाखाओं के बीच हो रहा है। इसमें एक तरफ आदि गोदरेज और भाई नादिर गोदरेज हैं। वहीं दूसरी तरफ उनके चचेरे भाई जमशेद गोदरेज और उनकी बहन स्मिता गोदरेज कृष्णा हैं। गोदरेज इंडस्ट्रीज एंड एसोसिएट्स का नेतृत्व आदि गोदरेज और उनके भाई करते हैं। वहीं गोदरेज एंड बॉयस (जी एंड बी) का नेतृत्व जमशेद गोदरेज और उनकी बहन करती हैं। आदि ओर नादिर गोदरेज एंड बॉयस में अपने हिस्से को दूसरी शाखा को बेच देंगे। जमशेद गोदरेज और उनके परिवार के लोग गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स (जीसीपीएल) और गोदरेज प्रॉपर्टीज में अपने चचेरे भाइयों को पारिवारिक व्यवस्था के तहत हिस्सेदारी हस्तांतरित करेंगे।

ऐसे हो रहा बंटवारा

मामले से जुड़े लोगों के मुताबिक, करीब 3400 करोड़ रुपये की अनुमानित अचल संपत्तियां जिनमें से ज्यादातर मुंबई के उपनगरीय इलाकों में है वह गोदरेज एंड बॉयस (जीएंडबी) के अधीन रहेंगी। वहीं स्वामित्व अधिकारों को नियंत्रित करने के लिए एक अलग समझौते पर काम किया जाएगा। गोदरेज ग्रुप में पांच लिस्टेंड कंपनियां जीसीपीएल, गोदरेज प्रॉपर्टीज, गोदरेज इंडस्ट्रीज, गोदरेज एग्रोवेट और एस्टेक लाइफसाइंसेज शामिल हैं। इनका मार्केट कैप बीते सप्ताह गुरुवार को बाजार बंद होने पर 2.34 लाख करोड़ रुपये था। पांच लिस्टेड फर्मों ने वित्त वर्ष 23 में लगभग 42,172 करोड़ रुपये का राजस्व और 4,065 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया है। जीएंडबी एक निजी स्वामित्व वाली कंपनी है। ग्रुप इंजीनियरिंग, उपकरण, सुरक्षा समाधान, कृषि उत्पाद, रियल एस्टेट और उपभोक्ता उत्पादों सहित विविध व्यवसायों का संचालन करता है।

तीन साल से चल रहा काम

जानकारों के मुताबिक, गोदरेज फैमिली काउंसिल दो महत्वपूर्ण बिंदुओं से जुड़ी मुख्य बारीकियों को सुलझा रही है। इनमें विभाजन के बाद गोदरेज ब्रांड नाम का उपयोग, संभावित रॉयल्टी भुगतान और जीएंडबी के पास मौजूद भूमि का मूल्यांकन शामिल है। ऊपर बताए गए लोगों ने बताया कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए स्वामित्व का स्पष्ट चित्रण स्थापित करने के उद्देश्य से विभाजन पर करीब तीन साल से काम चल रहा है। बता दें कि परिवार के मुखिया आदि और जमशेद गोदरेज क्रमशः 82 और 75 वर्ष के हैं।

राज्य पात्रता परीक्षा में चार विषय और जुड़े, 9 मई तक भरने होंगे फार्म

इंदौर। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) ने साल की पहली राज्य पात्रता परीक्षा 2024 (सेट) में विषयों की संख्या बढ़ा दी। चार अतिरिक्त विषय और जोड़ दिए है, जिसमें कंप्यूटर साइंस, रक्षा व रणनीति अध्ययन, संगीत और गृह विज्ञान विषय रखे है। अब 24 विषयों के लिए दिसंबर में परीक्षा रखी गई है। आयोग ने अतिरिक्त विषय में फार्म भरने की तारीख 23 अप्रैल से रखी है। अभ्यर्थी 9 मई तक बिना विलंब शुल्क आवेदन कर सकेंगे। आयोग ने परीक्षा से जुड़ी गाइडलाइन भी पोर्टल पर अपलोड कर दी। आवेदकों की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता स्नातकोत्तर उत्तीर्ण होना रखी है।राज्य पात्रता परीक्षा 2024 की पहली अधिसूचना में रसायन विज्ञान, अर्थशास्त्र, अंग्रेजी, भूगोल, हिन्दी, इतिहास, गृह विज्ञान, जीव विज्ञान, गणित, राजनीति विज्ञान, भौतिक विज्ञान, दर्शनशास्त्र, शारीरिक शिक्षा, मनोविज्ञान, संस्कृत, समाज शास्त्र, योग सहित विषय रखे थे। इन विषयों में अभ्यर्थियों को बिना विलंब शुल्क 21 मार्च से 20 अप्रैल तक का फार्म भरने का समय दिया है।

तीन दिन पहले आयोग ने विषयों की संख्या बढ़ा दी। करीब चार नए विषय जोड़ दिए है। इनमें आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों से 23 अप्रैल से 9 मई तक फार्म भरने के निर्देश दिए है। आयोग की गाइडलाइन के आधार पर सामान्य और ईडब्ल्यूएस वर्ग के अभ्यर्थियों को पीजी में 55 व ओबीसी, एसटी-एससी उम्मीदवारों को पांच प्रतिशत की छूट देते हुए 50 प्रतिशत अंकों होने की बात कहीं है।

वैसे ही पीएचडी धारक अभ्यर्थी जिन्होंने 1991 से पहले पीजी कर रखी है। उन्हें भी पांच प्रतिशत की छूट दी जाएगी। 15 दिसंबर को होने वाले परीक्षा में तीन घंटे के भीतर दो पेपर होंगे, जिसमें एक सामान्य और दूसरा चयनित विषय का पेपर होगा। अधिकारियों के मुताबिक 12 शहरों में परीक्षा के लिए केंद्र बनाए जाएंगे, जिसमें इंदौर, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, सतना, रीवा, सागर, उज्जैन, रतलाम आदि शहर है।

सीएम राइज स्कूल शुरू, बच्चों की संख्या के अनुसार स्टाफ

इंदौर। सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता और मापदंड को और ज्यादा बेहतर बनाए रखने के लिए प्रदेश में लगातार सीएम राइज स्कूलों की संख्या बढ़ाई जा रही है। इंदौर जिले में जुलाई से पहले 7 में सीएम राइज स्कूल शुरू किए जा रहे हैं। इसके लिए विभागीय प्रक्रिया मार्च में शुरू हो गई थी। आचार संहिता के बाद स्कूलों में स्टाफ जुटाना जारी हो जाएंगे। प्रदेश के सभी जिलों में बड़ी संख्या में सीएम राइज स्कूल शुरू हो रहे हैं। इंदौर जिले में भी अहिल्या आश्रम 2, गौतमपुरा, राऊ, मानपुर, बरलाई, मेण, चंद्रावतीगंज आदि स्थानों पर सीएम राइज स्कूल इसी सत्र में शुरू हो जाएंगे। 1 मई से ग्रीष्मकालीन अवकाश शुरू हो रहा है, यानी जुलाई से इन स्कूलों में विद्यार्थियों के अध्ययन के लिए कक्षाएं लगना शुरू हो जाएंगी। शिक्षा की गुणवत्ता को सुधारने और अत्याधुनिक स्मार्ट क्लासेस के अंतर्गत सीएम राइस स्कूलों में अलग-अलग प्रकार की लैब, स्मार्ट बोर्ड, यूनिफॉर्म आदि कई व्यवस्थाओं के साथ स्कूलों में सुविधा की जाएगी। सरकार की ओर से प्रत्येक स्कूल को तकरीबन 20 लाख रुपए की राशि भी दी जा रही है। प्रदेश में इस शैक्षणिक सत्र से शुरू होने वाले सीएम राइज स्कूलों की कवायद मार्च में ही कर दी गई थी, जिसकी मंजूरी भी विभाग स्तर पर पहले ही हो चुकी थी।सीएम राइज स्कूलों में शिक्षकों की पर्याप्त संख्या पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। बच्चों के प्रवेश और उनकी क्षमता के अनुसार शिक्षकों की पर्याप्त व्यवस्था के निर्देश प्राचार्य को पहले से दे रखे हैं। जहां पर शिक्षकों की कमी है, वहां आला अधिकारियों से मार्गदर्शन के बाद वैकल्पिक व्यवस्थाएं भी शैक्षणिक सत्र की शुरुआत में ही की जाएगी।

IIT-Kanpur, BHU, Guwahati, Dhanbad, Jodhpur, Goa get new directors - Education ministry appoints

Six Indian Institutes of Technology (IIT) got new directors on Thursday, according to sources in the education ministry. While Manindra Agrawal has been appointed as the director of IIT-Kanpur, Devendra Jalihal of IIT-Madras has been appointed as the director of IIT-Guwahati, they said.

Agrawal was a professor at IIT-Kanpur's Department of Computer Science and Engineering. "Avinash Kumar Agarwal, professor at IIT-Kanpur's Department of Mechanical Engineering, has been appointed as the director of IIT-Jodhpur," a source said. "Sukumar Mishra has been appointed as the director of IIT-Dhanbad while DS Katti will be the new head of IIT-Goa," the source added. Amit Patra has been appointed as the director of IIT-BHU.

नेस्ले के बाद एवरेस्ट फिश करी मसाले पर उठे सवाल, सिंगापुर ने बाजार से उत्पाद वापस मंगाए

नईदिल्ली, एजेंसी। सिंगापुर ने भारत से आयातित लोकप्रिय उत्पाद एवरेस्ट फिश करी मसाला को वापस बाजार से वापसे लेने (रिकॉल) करने का एलान किया है। मसाले में कीटनाशक एथिलीन ऑक्साइड की अधिक मात्रा का आरोप लगाते हुए इसे वापस लिया गया है। यह कदम हांगकांग में खाद्य सुरक्षा केंद्र की ओर से जारी एक अधिसूचना बाद उठाया गया है। जिसमें मसाले में एथिलीन ऑक्साइड अधिक मात्रा के बारे में बताया गया था। सिंगापुर खाद्य एजेंसी ने एक बयान में कहा, हांगकांग स्थित खाद्य सुरक्षा केंद्र ने एथिलीन ऑक्साइड की मौजूदगी के कारण भारत से आयातित एवरेस्ट फिश करी मसाला वापस मंगाने से जुड़ी एक अधिसूचना जारी की है। एसएफए ने आयातक एसपी मुथैया एंड संस पीटीई को निर्देश दिया है कि वह उत्पादों को व्यापक रूप से वापस मंगाने की पहल करे। एथिलीन ऑक्साइड, आमतौर पर कीटनाशक के रूप में उपयोग किया जाता है, यह खाद्य उत्पादों में उपयोग के लिए सख्त रूप से वर्जित है। एसएफए ने कहा कि सिंगापुर के नियमों के तहत मसालों की शेल्फ लाइफ बनाने के लिए इसके स्वीकार्य प्रयोग की अनुमति है पर एवरेस्ट फिश करी मसाला में इसकी अधिक मात्रा उपभोक्ताओं के लिए संभावित स्वास्थ्य जोखिम पैदा करती है।

देश के विकास में पारसी उद्योगपतियों का अहम किरदार

नईदिल्ली, एजेंसी। देश के विकास में पारसी उद्योगपतियों का अहम किरदार रहा है। उन्होंने दुनियाभर के देशों के साथ व्यापारिक संबंध बनाए। भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत किया। 19वीं और 20वीं शताब्दी में पारसी उद्योगपतियों ने कपड़ा मिलों, स्टील मिलों, बिजली संयंत्रों और बैंकों सहित कई महत्वपूर्ण उद्योगों की नींव रखी। आधुनिक तकनीकों को अपनाने और भारत को औद्योगिक राष्ट्र बनाने में एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया। देश के कारोबारी जगत में उनका डंका बजता है। जेआरडी टाटा, एबी गोदरेज, पलौंजी मिस्त्री हों या रतन टाटा और सायरस पूनावाला पारसी उद्योगपतियों ने देश की तरक्की में जो योगदान दिया है वह अभूतपूर्व है। अक्सर पारसी उद्योगपतियों को उनके सरनेम से पहचनाना बहुत आसान हो जाता है। बंदूकवाला, छुरीवाला, बाटलीवाला और दारूवाला जैसे सरनेम उनकी पहचान जाहिर कर देते हैं। पारसी उद्योगपतियों के इस तरह के सरनेम रखने के पीछे क्या कारण है आइए, यहां समझने की कोशिश करते हैं।

कैसे भारत में आए पारसी

पारसी मूल रूप से ईरान (तब फारस) से आए थे। वे 8वीं से 10वीं शताब्दी के बीच भारत में बस गए थे। उन्होंने अपनी पुरानी फारसी भाषा और रीति-रिवाजों को बनाए रखा। इसमें उनके सरनेम भी शामिल थे। समय के साथ उनकी भाषा और सरनेम स्थानीय भाषाओं से प्रभावित हुए। इसके चलते अलग तरह के नाम सामने आए। पारसियों को व्यवसाय में महारत रही है। इसका सबसे बड़ा सबूत यह है कि उनके पुश्तैनी धंधे तक में उनका सरनेम शान से जुड़ा रहता है। दारूवाला, बाटलीवाला, छुरीवाला हो या बंदूकवाला, लोखंडवाला और मिस्त्री। पारसियों की पहली पीढ़ियों ने जो कारोबार किए या फरि वे शुरू में जहां रहे, वही समय के साथ उनकी पहचान और सरनेम बन गए। पारसियों ने काम को ही पूजा बना लिया। जिस काम को किया पूरी लगन और मेहनत से किया। इसके कारण न केवल उनकी बल्कि देश की तरक्की हुई। कारोबार जगत में वे देश-दुनिया में छा गए।

सरनेम क्या बताते हैं

जहां पूनावाला और लोखंडवाला जैसे सरनेम बताते हैं कि वे भारत में कहां के मूल निवासी हैं। वहीं, दारूवाला, बाटलीवाला, जरीवाला और बंदूकवाला जैसे सरनेम दर्शाते हैं कि उनके पुरखों का किस तरह का व्यवसाय है या रहा है। वैसे नाम के साथ अपनी जगह को जोड़ना सिर्फ पारसियों के साथ नहीं रहा है। उत्तर भारतीयों में भी यह ट्रेडिशन देखने को मिलता है। हसरत जयपुरी, आनंद कृष्ण जयपुरिया, फिराक गोरखपुरी, साहिर लुधयानवी जैसी कई हस्तियों ने अपने नामों के साथ जगह को जोड़ा।

Bar Council urges higher education institutes, state governments to uphold sanctity of legal education

The Bar Council of India (BCI) has urged all state governments and universities to help the top lawyers' body in its "endeavour to uphold the sanctity and quality" of legal education. The representation issued by Bar Council of India (BCI) secretary Srimanto Sen said the general council of the top lawyers' body passed a resolution in June 2015 urging all state governments and universities to impose restrictions on the issuance of No Objection Certificates (NOCs) for opening new law institutes and affiliations to them for three years.

"Despite this resolute decision and the subsequent issuance of circulars to the effect, it is regrettable to note that over 300 NOCs were issued by state governments, and affiliations were granted by universities," the circular dated April 15 said. "This concerning trend highlights the urgent need for stricter adherence to regulatory measures to curb the unchecked proliferation of law colleges across the country," it added. Listing the "suggested guidelines" for the grant of NOCs, including the financial viability of the proposed law institution and its compliance with all regulatory standards, the circular said, "The responsibility for curbing the mushroom growth and proliferation of substandard law colleges does not rest solely on the shoulders of the BCI."

It said while BCI was to its regulatory role, the active involvement and cooperation of universities and government bodies was indispensable to achieve the goal of maintaining the highest standards of legal education. "It is crucial to recognise the pivotal roles played by both the state government and the universities in addressing the mushroom growth or proliferation of substandard law colleges.

"The foundation for tackling this issue lies in the groundwork carried out by the state government's higher education department and the universities, which serve as the grassroots entities responsible for regulating educational standards," the representation said.

It underlined the three stages of establishing a law college. One – obtaining an NOC from the state government, two – the concerned university providing affiliation, and three – the BCI granting approval. "By meticulously adhering to these stages, the state government, higher education departments,

and universities can collectively mitigate the proliferation of substandard law colleges," the representation said. "We appeal to universities and the ministry of education in each state to join hands with the BCI in our endeavour to uphold the sanctity and quality of legal education in India," it added.

Approval Not Required To Start ODL, Online Courses, Says UGC

University Grants Commission (UGC) has released a notification maintaining that it will not be mandatory for the state/private universities to take approval of All India Council for Technical Education (AICTE) to run technical programmes.

After the new development, the central, state and private universities will not require prior approval or no objection certification (NOC) from AICTE along with their application to UGC for offering of undergraduate, postgraduate and postgraduate diploma programmes under Management, Computer Application and Travel and Tourism disciplines in open and distance learning (ODL) or online mode. However, deemed to be universities will continue to require prior approval/recommendation/ NOC of AICTE for offering of such programmes, before submitting their application to the commission. An official notification by the University Body reads, "The Commission considered the communication received from AICTE staring that as per Hon 'ble Supreme Court Judgement in Bharathidasan University and another vs All India Council for Technical Education and Others (2001, 8 SCC 676, it is not mandatory for the State/Private Universities to take AICTE approval to run technical programmes." "After detailed deliberations, the commission decided that for universities whether State or Central or Private, prior approval recommendation NOC of AICTE shall not be required, as per UGC (ODL Programmes and Online Programmes) Regulations, 2020 for offering programmes in ODL and or online made," added the notification.

सभी इन्द्रियों को जीतने के कारण जितेन्द्रिय कहलाए स्वामी

जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी माने जाते हैं.महावीर का जन्म चैत्र मास के शुक्ल पक्ष में त्रयोदशी तिथि को बिहार में लिच्छिवी वंश के महाराज श्री सिद्धार्थ और माता त्रिशिला रानी देवी के यहां हुआ था. वर्धमान महावीर का जन्म एक क्षत्रिय राजकुमार के रूप में एक राज परिवार में हुआ था. उनका जन्म प्राचीन भारत के वैशाली राज्य के गांव कुंडग्राम में हुआ था. भगवान महावीर कई नामों से जानें जाते हैं जिनमें वर्धमान, महावीर, सन्मति और साहसी आदि मुख्य नाम थे.भगवान महावीर का जन्म एक साधारण बालक के रूप में हुआ था इनकी कड़ी तपस्या की वजह से ही इनका जीवन अनूठा बन गया.

ऐसा माना जाता है कि महावीर स्वामी का काफी अन्तर्मुखी स्वभाव के थे.शुरुआत से ही उन्हें संसार के भोगों में कोई रुचि नहीं थी लेकिन माता-पिता की इच्छा की वजह से उन्होंने वसंतपुर के महासामन्त समरवीर की पुत्री यशोदा के साथ परिणय सूत्र में बंध गए और जिससे उनकी एक पुत्री हुई जिसका नाम प्रियदर्शना रखा गया. तीस साल की उम्र में उन्होंने घर-बार छोड़ दिया और कठोर तपस्या की वजह से कैवल्य ज्ञान प्राप्त किया.महावीर ने पार्श्वनाथ के आरंभ किए तत्वज्ञान को परिभाषित करके जैन दर्शन को स्थाई आधार दिया.महावीर स्वामी ने श्रद्धा एवं विश्वास की वजह से जैन धर्म की फिर से प्रतिष्ठा स्थापित की. उन्होंने 'अहिंसा परमोधर्म' के सिद्धांत और लोक कल्याण का मार्ग अपना कर विश्व को शांति का सन्देश दिया.आधुनिक काल में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने पूरी दुनिया को अहिंसा के जिस महान आदर्श को अपनाने के लिए आह्वान किया था, उसके महत्व पर सर्वप्रथम और सबसे अधिक जोर महावीर स्वामी ने ही दिया है.इस आदर्श के अनुसार, हमें किसी भी रूप, मनसा-वाचा-कर्मणा, में हिंसा नहीं करनी चाहिए.जैन धर्म की मान्यताओं के मुताबिक वर्द्धमान ने कठोर तप द्वारा अपनी समस्त इन्द्रियों पर विजय प्राप्त कर जिन अर्थात विजेता कहलाए.इन्द्रियों को जीतने के कारण वे जितेन्द्रिय कहे जाते हैं.यह कठिन तप पराक्रम के समान माना गया, इसलिए वे 'महावीर' कहलाए.उन्हें वीर,अतिवीर' और 'सन्मति' भी कहा जाता है. भगवान महावीर ने अपने उपदेशों से इस समाज का कल्याण किया है.उनकी शिक्षाओं में ये बातें प्रमुख थीं कि सत्य का पालन करो, अहिंसा को अपनाओ, जिओ और जीने दो. इसके अलावा उन्होंने पांच महाव्रत, पांच अणुव्रत, पांच समिति तथा छह आवश्यक नियमों का विस्तार पूर्वक उल्लेख किया.जो जैन धर्म के प्रमुख आधार माने गए.पावापुर में कार्तिक कृष्ण अमावस्या को भगवान महावीर ने आखिरी सांस ली.

अहिंसा परमोधर्म

वर्तमान युग में महात्मा गाँधी ने सारी मनुष्य जाति को जिस महान आदर्श को अपनाने के लिए अहवाहन किया था, उसके महत्व पर सर्वप्रथम एवं सबसे अधिक जैन तीर्थंकर पार्श्व और महावीर ने ही दिया है। महावीर स्वामी से हमें यह शिक्षा मिलती हैं कि हमें हिंसा किसी भी रूप में नहीं करनी चाहिए। सदा सत्य बोलना चाहिए। निर्बल, निरीह और असहाय व्यक्तियों की ही नहीं बल्कि पशुओं को भी नहीं सताना चाहिए। मनुष्य को मन, वचन , कर्म से शुद्ध होना चाहिए। ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए। मनुष्य को अपने जीवन काल में देशाटन अवश्य करना चाहिए इससे ज्ञानार्जन होता हैं। यह ज्ञानार्जन का सर्वश्रेष्ठ साधन हैं। चोरी कभी नहीं करनी चाहिए। चोरी भी मन , वचन एवम कर्म से होती हैं अथवा किसी एक से भी करना, महापाप हैं। महावीर हमें जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में मार्गदर्शन देते हैं। उनकी जयंती के दिन हमें यह प्रतिज्ञा करने चाहिए कि उनकी बताई शिक्षा में से किसी एक शिक्षा को अपनायें। इससे हमारे में नैतिक गुणों का विकास होगा, साथ ही साथ अच्छे कर्म भी होंगे। भगवान महावीर ने दुनिया को बहुत ही अच्छे संदेश दिए। उनका सबसे प्रिय संदेश था अहिंसा के मार्ग पर चलने का। भगवान महावीर के मूल मंत्र 'जियो और जीने दो' के सिद्धांत पर चलकर ही हम देश, दुनिया को बचा सकते हैं। भगवान महावीर की शिक्षाएं हमें करुणामय एवं निस्वार्थ सादगीपूर्ण जीवन की प्रेरणा देती हैं। यह त्योहार सच्चाई, अहिंसा तथा सौहार्द के प्रति सभी की प्रतिबद्धताओं को मजबूत करने का काम करे।

क्यों मनाई जाती है महावीर जयंती?

पौराणिक कथा और रोचक बातें

इस साल महावीर जयंती 21 अप्रैल को पड़ रही है. इस दिन को भगवान महावीर के जन्मदिवस के तौर पर मनाया जाता है. हिंदू पंचांग के अनुसार चैत्र मास के 13वें दिन महावीर स्वामी का जन्म हुआ था.

जैन धर्म के लोगों के लिए महावीर जयंती का पर्व बेहद खास होता है. हर साल चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि को महावीर जयंती मनाई जाती है. महावीर जयंती पर जैन धर्म समुदाय के लोग प्रभात फेरी, अनुष्ठान और शोभा यात्रा का आयोजन करते हैं. महावीर जयंती का पर्व भगवान महावीर को समर्पित है. महावीर भगवान ने समाज और लोगों के कल्याण के लिए संदेश दिए थे. उन्होंने मनुष्य के लिए मोक्ष प्राप्ति के लिए पांच नियम भी स्थापित किए थे, जिनको पंच सिद्धांत कहा जाता है. आइए जानते हैं इस बार महावीर जयंती कब है और इसका महत्व क्या है.

इस साल महावीर जयंती 21 अप्रैल को पड़ रही है. इस दिन को भगवान महावीर के जन्म उत्सव के रूप में भी मनाया जाता है. हिंदू पंचांग के अनुसार, चैत्र मास के 13वें दिन महावीर स्वामी का जन्म हुआ था. ऐसा कहा जाता है कि महावीर स्वामी का जन्म करीब 599 ईसा पूर्व बिहार के कुंडग्राम/कुंडलपुर के राज परिवार में हुआ था. इनका बचपन का नाम वर्धमान था. 30 साल की उम्र में इन्होंने राजपाट त्यागकर संन्यास धारण कर लिया था और अध्यात्म की राह पर चल दिए थे.

कौन हैं भगवान महावीर

पैराणिक कथाओं के अनुसार महावीर स्वामी को जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर के रूप में माना जाता है. ये उन 24 लोगों में से हैं जिन्होंने कठिन तपस्या कर आत्मज्ञान प्राप्त किया था. ऐसा कहा जाता है कि तीर्थंकर वे लोग होते हैं जो इंद्रियों और भावनाओं पर पूरी तरह विजय प्राप्त कर लेते हैं. साल 2024 में महावीर जयंती 21 अप्रैल 2024 दिन रविवार को पड़ रही है. इस दिन भगवान महावीर का 2622वां जन्मदिवस मनाया जाएगा. चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि 20 अप्रैल 2024 को रात 10.41 से शुरू होगी और अगले दिन 22 अप्रैल 2024 को दोपहर 1.11 पर समाप्त होगी. ऐसे में उदया तिथि के अनुसार महावीर जयंती 21 अप्रैल को मनाई जाएगी.

जैन धर्म की मान्यता है कि 12 साल के कठोर मौन तप-जप के बाद भगवान महावीर ने अपनी इंद्रियों पर पूरी तरह विजय प्राप्त कर ली थी. निडर, सहनशील और अहिंसक होने के कारण उनका नाम महावीर पड़ा. 72 साल की उम्र में उन्हें पावापुरी से मोक्ष प्राप्त हुआ. महावीर जयंती के दिन जैन धर्म के लोग प्रभातफेरी, अनुष्ठान, शोभायात्रा निकलाते हैं. फिर महावीर जी की मूर्ति का सोने और चांदी के कलश जलाभिषेक किया जाता है. इस दौरान जैन संप्रदाय के गुरु भगवान महावीर के उपदेश बताते हैं और उनपर चलने की सीख दी जाती है. इस दिन देशभर के जैन मंदिरों में पूजा की जाती है. इस दिन जैन समुदाय के लोग स्वामी महावीर के जन्म की खुशियां मनाते हैं और शोभा यात्राएं भी निकाली जाती हैं. इन्होंने दुनिया को सत्य, अहिंसा के कई उपदेश दिए थे.

भगवान महावीर के पांच सिद्धांत

राजसी ठाठ छोड़ आध्यात्म की राह अपनाने वाले भगवान महावीर स्वामी ने जीवनभर मानव जाति को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने के रास्ते बताए. महावीर स्वामी के 5 प्रमुख सिद्धांत बताए थे, जिन्हें पंचशील सिद्धांत भी कहा जाता है.

- सत्य
- हिंसा
- अस्तेय यानी चोरी न करना.
- अपरिग्रह यानी विषय व वस्तुओं के प्रति लगाव न होना.
- ब्रह्मचर्य का पालन करना.
- धार्मिक मान्यता है कि भगवान महावीर के इन पांच सिद्धांतों का पालन करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है.

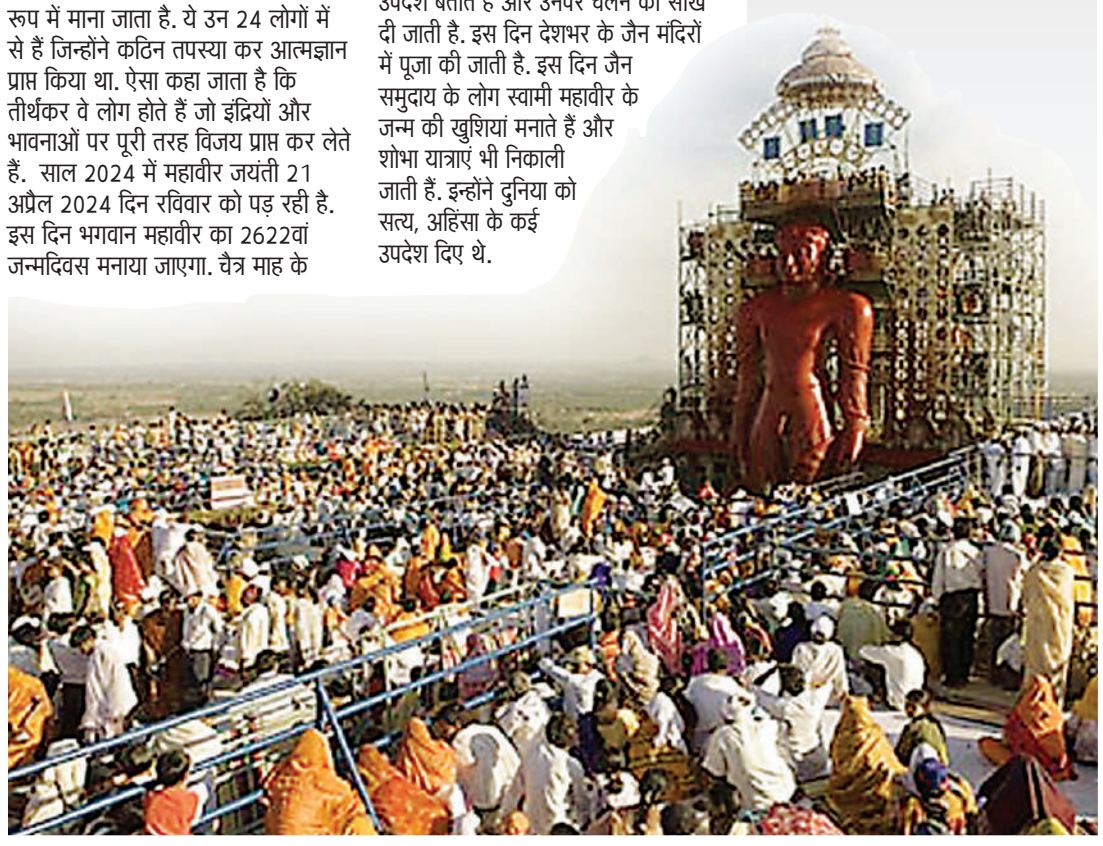

महावीर जयंती से जुड़े तथ्य

- महावीर जयंती जो भगवान महावीर का जन्मदिवस भी है, मुख्य रूप से जैन समुदाय के बीच, राजस्थान और गुजरात के कुछ हिस्सों में भी मनाई जाती है.
- जिस स्थान पर महावीर का जन्म हुआ उसे अहल्या भूमि भी कहा जाता है. महावीर की ज्ञान साधना 12 वर्ष तक चली थी.
- महावीर स्वामी ने 30 साल की उम्र में अपना परिवार और राज्य छोड़ दिया था और अध्यात्म की राह पर चल दिए थे.
- महावीर का जन्मस्थान बिहार में इस शुभ दिन को भव्य तरीके से मनाया जाता है. इस अवसर को वैशाली महोत्सव के नाम से भी जाना जाता है.
- महावीर जयंती की सुबह में विभिन्न भव्य जुलूस का आयोजन किया जाता है. इस दिन आप भगवान महावीर की छवियों वाले भव्य रथ देख सकते हैं.
- इस दिन जैन मंदिरों को खूबसूरत तरीके से सजाया जाता है और इनमें सभी तीर्थंकरों की छवियां शामिल होती हैं.
- भारत के कुछ प्रसिद्ध जैन तीर्थ स्थल जहां महावीर जयंती भव्य तरीके से मनाई जाती है, जो कि पालीताना, रणकपुर, श्रवणबेलगोला, दिलवाड़ा मंदिर, खंडगिरि गुफाएं और उदयगिरि गुफाएं आदि हैं.

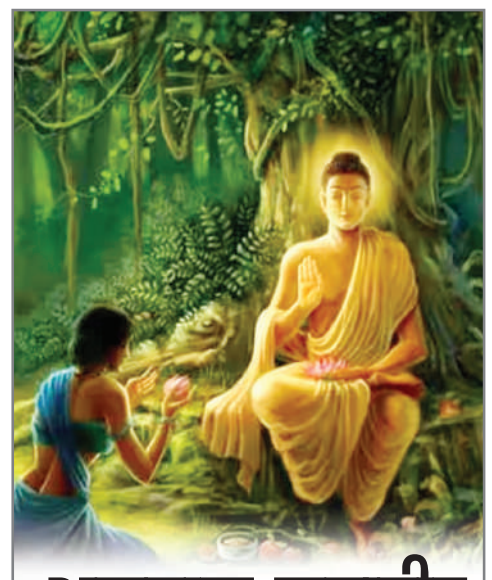

भगवान महावीर के जीवन और पंचशील सिद्धांत

महावीर जयंती जैन धर्म का सबसे बड़ा पर्व है. इसी दिन जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर का जन्म हुआ था. भगवान महावीर का जन्म करीब ढाई हजार साल पहले (ईसा से 599 वर्ष पूर्व), वैशाली के गणतंत्र राज्य क्षत्रिय कुण्डलपुर में हुआ था. तीस वर्ष की आयु में महावीर ने संसार से विरक्त होकर राज वैभव त्याग दिया और संन्यास धारण कर आत्मकल्याण के पथ पर निकल गए.

महावीर जयंती का महत्व

कहते हैं कि 12 साल की कठिन तपस्या के बाद भगवान महावीर को केवल ज्ञान प्राप्त हुआ और 72 वर्ष की आयु में उन्हें पावापुरी से मोक्ष की प्राप्ति हुई. इस दौरान महावीर स्वामी के कई अनुयायी बने जिसमें उस समय के प्रमुख राजा बिम्बिसार, कुनिक और चेटक भी शामिल थे. जैन समाज द्वारा महावीर स्वामी के जन्मदिवस को महावीर-जयंती तथा उनके मोक्ष दिवस को दीपावली के रूप में धूम धाम से मनाया जाता है.

क्या है पंचशील सिद्धांत

जैन धर्म के 24वें तीर्थकर भगवान महावीर स्वामी का जीवन ही उनका संदेश है. तीर्थंकर महावीर स्वामी ने अहिंसा को सबसे उच्चतम नैतिक गुण बताया. उन्होंने दुनिया को जैन धर्म के पंचशील सिद्धांत बताए, जो है- अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, अचौर्य (अस्तेय) और ब्रह्मचर्य. महावीर ने अपने उपदेशों और प्रवचनों के माध्यम से दुनिया को सही राह दिखाई और मार्गदर्शन किया. भगवान महावीर ने अहिंसा की जितनी सूक्ष्म व्याख्या की, वह अन्य कहीं दुर्लभ है. उन्होंने मानव को मानव के प्रति ही प्रेम और मित्रता से रहने का संदेश नहीं दिया अपितु मिट्टी, पानी, अग्नि, वायु, वनस्पति से लेकर कीड़े-मकौड़े, पशु-पक्षी आदि के प्रति भी मित्रता और अहिंसक विचार के साथ रहने का उपदेश दिया है.

कैसे मनाया जाता है पर्व

महावीर जयंती के अवसर पर जैन धर्मावलंबी प्रातः काल प्रभातफेरी निकालते हैं. उसके बाद भव्य जुलूस के साथ पालकी यात्रा निकालते हैं. इसके बाद स्वर्ण और रजत कलशों से महावीर स्वामी का अभिषेक किया जाता है तथा शिखरों पर ध्वजा चढ़ाई जाती है. जैन समाज द्वारा दिन भर अनेक धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन करके महावीर का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाता है.

मंदिरों में खास आयोजन

राजस्थान में अरावली पर्वत की घाटियों के मध्य स्थित रणकपुर में ऋषभदेव का चतुर्मुखी जैन मंदिर है. चारों ओर जंगलों से घिरे इस मंदिर की भव्यता देखते ही बनती है. इसके अलावा राजस्थान के ही दिलवाड़ा में विख्यात जैन मंदिर हैं. इन मंदिरों का निर्माण 11वीं और 13वीं शताब्दी के बीच हुआ था. गुजरात के शतरुंजया पहाड़ पर पालिताना जैन मंदिर स्थित है. नौ सौ से अधिक मंदिरों वाले शतरुंजया पहाड़ पर स्थित पालिताना जैन मंदिर जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर को समर्पित हैं.

कैवल्य ज्ञान का मार्ग महावीर

महावीर का मार्ग पूर्णतः स्पष्ट और कैवल्य ज्ञान प्राप्त करने का मार्ग है। यह राजपथ है। उनके उपदेश हमारे जीवन में किसी भी तरह के विरोधाभास को नहीं रहने देते। जीवन में विरोधाभास या द्वंद्व है तो फिर आप कहीं भी नहीं पहुँच सकते। भगवान महावीर को समझने के लिए कैवल्य ज्ञान प्राप्त करना होगा। समुद्र को जानने के लिए समुद्र में डूबना होगा। महावीर की गहराई को फिर भी कोई छू नहीं सकता। धरती पर कुछ गिने-चुने ही महापुरुष हुए हैं। उनमें महावीर ध्यानियों में ऐसे हैं जैसे सागरों में प्रशांत महासागर। महावीर का जीवन, दर्शन या तप कुछ भी रहा हो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मुख्य बात यह कि उन्होंने 'कैवल्य ज्ञान' की जिस ऊँचाई को छुआ था वह अवर्णीय है। वह अंतरिक्ष के उस सन्नाटे की तरह है जिसमें किसी भी पदार्थ की उपस्थिति नहीं हो सकती। जहाँ न ध्वनि है और न ही ऊर्जा। केवल शुद्ध आत्मतत्व।

महावीर का जीवन : : भगवान महावीर तीर्थंकरों की कड़ी के अंतिम तीर्थंकर हैं। उनका जन्म नाम वर्धमान है। राजकुमार वर्धमान के माता-पिता श्रमण धर्म के पार्श्वनाथ सम्प्रदाय से थे। महावीर से 250 वर्ष पूर्व 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ हुए थे।

भगवान महावीर का जन्म 599 ईपू. अर्थात 2614 वर्ष पहले वैशाली गणतंत्र के कुंडलपुर के क्षत्रिय राजा सिद्धार्थ के यहाँ हुआ। उनकी माता त्रिशला लिच्छवि राजा चेटकी की पुत्र थीं। भगवान महावीर ने सिद्धार्थ-त्रिशला की तीसरी संतान के रूप में चैत्र शुक्ल की तेरस को जन्म लिया।

महावीर की शिक्षा : वर्धमान के बड़े भाई का नाम नंदिवर्धन व बहन का नाम सुदर्शना था। वर्धमान का बचपन राजमहल में बीता। आठ बरस के हुए, तो उन्हें पढ़ाने, शिक्षा देने, धनुष आदि चलाना सिखाने के लिए शिल्प शाला में भेजा गया।

विवाह मतभेद : श्वेताम्बर संघ की मान्यता है कि वर्धमान ने यशोदा से विवाह किया था। उनकी बेटी का नाम था अयोज्जा या अनवद्या। जबकि दिगम्बर संघ की मान्यता है कि उनका विवाह हुआ ही नहीं था। वे बाल ब्रह्मचारी थे।

श्रामणी दीक्षा : महावीर की उम्र जब 28 वर्ष थी, तब उनके माता-पिता का देहान्त हो गया। बड़े भाई नंदिवर्धन के अनुरोध पर वे दो बरस तक घर पर रहे। बाद में तीस बरस की उम्र में वर्धमान ने श्रमण परंपरा में श्रामणी दीक्षा ले ली। वे 'समण' बन गए। अधिकांश समय वे ध्यान में ही मग्न रहते।

कैवल्य ज्ञान : भगवान महावीर ने 12 साल तक मौन तपस्या तथा गहन ध्यान किया। अन्त में उन्हें 'कैवल्य ज्ञान' प्राप्त हुआ। कैवल्य ज्ञान प्राप्त होने के बाद भगवान महावीर ने जनकल्याण के लिए शिक्षा देना शुरू की। अर्धमगधी भाषा में वे प्रवचन करने लगे, क्योंकि उस काल में आम जनता की यही भाषा थी।

महावीर का तत्वज्ञान : ब्रह्मांड में दो ही तत्व हैं जीव और अजीव अर्थात जड़ और चेतन। दोनों एक दूसरे से परस्पर बद्ध हैं। इस बद्धता को ही कर्माश्रव व कर्मबंध कहते हैं। चेतन का जड़ के इस बंधन से मुक्त होना ही कैवल्य ज्ञान और पूर्ण मुक्त हो जाना निर्वाण है। इसके अलावा अनेकांतवाद अर्थात वास्तववादी और सापेक्षतावादी बहुत्ववाद सिद्धांत और स्यादवाद अर्थात ज्ञान की सापेक्षता का सिद्धांत। उक्त दोनों सिद्धांतों में सिमटा है भगवान महावीर का दर्शन। दर्शन अर्थात जो ब्रह्मांड और आत्मा के अस्तित्व के प्रारंभ और इसकी स्थिति तथा प्रकार के बारे में खुलासा करता हो।

महावीर का संघ : भगवान महावीर ने कैवल्य ज्ञान मार्ग को पुष्ट करने हेतु अपने अनुयायियों को चार भागों में विभाजित किया- मुनि, आर्यिका, श्रावक और श्राविका। प्रथम दो वर्ग गृहत्यागी परिव्राजकों के लिए और अंतिम दो गृहस्थों के लिए। यही उनका चतुर्विध-संघ कहलाया।

पंच महाव्रत : भगवान महावीर ने कैवल्य ज्ञान हेतु धर्म के मूल पाँच व्रत बताए- अहिंसा, अचौर्य, अमैथुन और अपरिग्रह। उक्त पंचमहाव्रतों का पालन मुनियों के लिए पूर्ण रूप से और गृहस्थों के लिए स्थूलरूप अर्थात अणुव्रत रूप से बताया गया है। हालाँकि महावीर का धर्म और दर्शन उक्त पंच महाव्रत से कहीं ज्यादा विस्तृत और गूहम है।

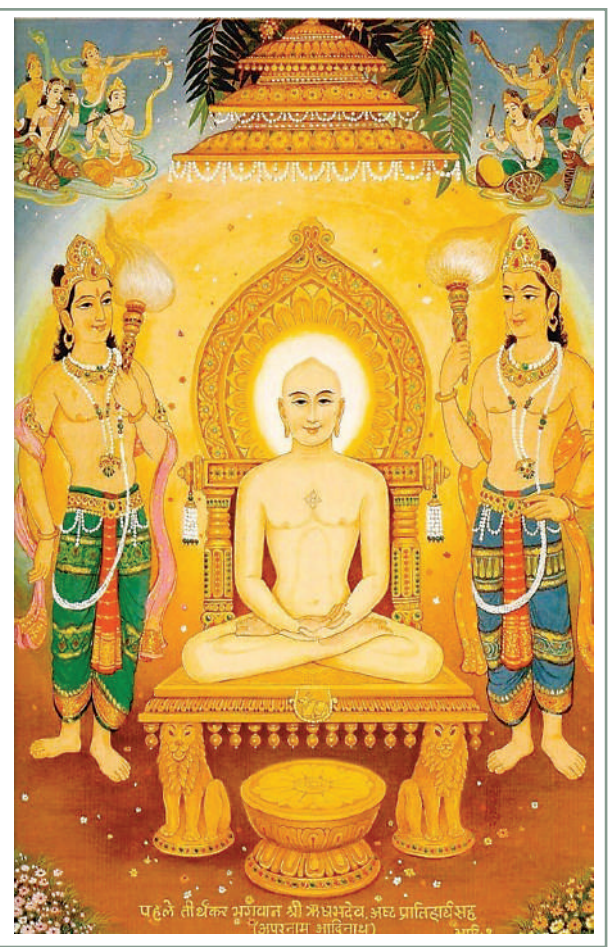

होटल भरे हुए हैं, फर्श पर सो रहे हैं, दुबई हवाई अड्डे पर फंसे दो भारतीय पहलवान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय पहलवान दीपक पुनिया और सुजीत कलकल 2024 पेरिस ओलंपिक क्वालीफायर के लिए किर्गिस्तान के बिश्केक जाते समय भारी बारिश के कारण मंगलवार से दुबई हवाई अड्डे पर फंसे हुए हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

पहलवानों के करीबी सूत्रों ने बात करते हुए कहा कि यह जोड़ी गुरुवार रात 11 बजे उड़ान भरेगी और उनके टूर्नामेंट में भाग लेने की संभावना 50-50 है। वे पिछले दो दिनों से वहां हैं। सभी होटल भरे हुए हैं इसलिए वे हवाई अड्डे पर फर्श पर सो रहे हैं। क्वालीफायर में प्रतिस्पर्धा करने की उनकी संभावना 50-50 है। शायद वे वजन शुरू होने से ठीक पहले बिश्केक पहुंच जाएंगे। केवल तभी जब वे आज देर रात दुबई छोड़ने में कामयाब हों। बिश्केक में एशियाई कुश्ती ओलंपिक क्वालीफायर 19 अप्रैल से शुरू होने वाला है। बिश्केक में 18 भार वर्गों में कुल 36 पेरिस 2024 कोटा की पेशकश होगी।

भारत ने सत्रह पहलवानों को मैदान में उतारा है. यह क्वालीफायर भारतीय पहलवानों के लिए ग्रीष्मकालीन खेलों के लिए कोटा सुरक्षित करने का दूसरा अंतिम अवसर होगा। मई में तुर्की में होने वाला विश्व क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट, अंतिम कुश्ती क्वालीफायर होगा।

भारतीय दल: पुरुष ग्रीकोःरोमन, सुमित (60 किग्रा), आशु (67 किग्रा), विकास (77 किग्रा), सुनील (87 किग्रा), नितेश (97 किग्रा), नवीन (130 किग्रा)

महिला फ्रीस्टाइल: विनेश फोगाट (50 किग्रा), अंशू मलिक (57 किग्रा), मानसी (62 किग्रा), निशा (68 किग्रा), रीतिका हुडा (76 किग्रा)

पुरुष फ्रीस्टाइल: अमन सहरावत (57 किग्रा), सुजीत (65 किग्रा), जयदीप (74 किग्रा), दीपक पुनिया (86 किग्रा), दीपक (97 किग्रा), सुमित (125 किग्रा)

तिलक ने आईपीएल में किया बड़ा कारनामा

मुल्लांपुर, एजेंसी। मुंबई इंडियंस की टीम ने हार्दिक पांड्या की कप्तानी में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 17वें सीजन में 7वें मैच में अपनी तीसरी जीत हासिल करने में कामयाबी हासिल की।

पंजाब किंग्स के खिलाफ इस मुकाबले में मुंबई की तरफ से शानदार बल्लेबाजी प्रदर्शन देखने को मिला जिसमें सूर्यकुमार यादव के बल्ले से 78 रनों की पारी देखने को मिली तो वहीं पारी के आखिरी ओवरों में बल्लेबाजी करने उतरे बाएं हाथ के युवा बल्लेबाजी तिलक वर्मा ने सिर्फ 18 गेंदों में 2 चौके और 2 छक्कों की मदद से 34 रनों की नाबाद तेज पारी खेलने के साथ टीम के स्कोर को 190 के पार पहुंचाने में अहम भूमिका अदा की।

तिलक ने अपनी इस पारी के दम पर आईपीएल में एक खास लिस्ट में भी अपनी जगह बना ली।

ऋषभ पंत के बाद तिलक 21 साल की उम्र में 50 छक्के लगाने वाले बने दूसरे खिलाड़ी

तिलक वर्मा ने पंजाब किंग्स के खिलाफ अपनी 38 रनों की नाबाद पारी में 2 छक्के भी लगाए जिसके साथ ही उन्होंने अपने आईपीएल करियर में 50 छक्के भी पूरे कर लिए। तिलक अब आईपीएल में 21 साल की उम्र में ऋषभ पंत के बाद 50 छक्कों का आंकड़ा छूने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। पंत ने 21 साल की उम्र तक आईपीएल में 94 छक्के लगाए थे, वहीं इस लिस्ट में अब दूसरे नंबर पर 50 छक्कों के साथ तिलक वर्मा हैं, तो वहीं तीसरे नंबर पर राजस्थान रॉयल्स टीम का हिस्सा ओपनिंग बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल हैं, जिन्होंने 21 साल की उम्र तक 48 छक्के लगाए थे।

आईपीएल में 21 साल की उम्र तक सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी

ऋषभ पंत - 94 छक्के
तिलक वर्मा - 50 छक्के
यशस्वी जायसवाल - 48 छक्के
पृथ्वी शॉ - 45 छक्के
संजू सैमसन - 38 छक्के

हार्दिक पांड्या पर लगा 12 लाख का जुर्माना

मुल्लांपुर, एजेंसी। पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में स्लो ओवर रेट के चलते मुंबई के कप्तान हार्दिक पांड्या पर 12 लाख का जुर्माना लगाया गया है।

आईपीएल ने यह जानकारी गुरुवार को दी। बीसीसीआई ने एक बयान में इसकी पुष्टि की है। जिसमें बताया गया है कि इस सीजन में टीम मुंबई की यह पहली गलती थी, इसलिए आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के अनुसार सबसे न्यूनतम दंड दिया गया है।

बात अगर मैच की करें तो 193 रनों का पीछा करने उतरी पंजाब के लिए आशुतोष शर्मा ने 25 गेंदों में 61 रनों की तूफानी पारी खेली, लेकिन वो अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाए और मुंबई ने 9 रन से यह मुकाबला अपने नाम किया। एमआई वर्तमान में सात मैचों में तीन जीत के साथ अंक तालिका में सातवें स्थान पर है।

एशिया ओलंपिक क्वालीफायर

विनेश-अंशु के सामने ओलंपिक कोटा हासिल करने की चुनौती, भारत के 17 पहलवान ले रहे हिस्सा

बिश्केक (किर्गिस्तान), एजेंसी। 19 साल की अंतिम पंघाल ने सर्बिया के बेलग्रेड में 2023 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीत कर भारत के लिए महिलाओं के 53 किग्रा में पहले ही कोटा स्थान पक्का कर लिया है। भारत के 17 पहलवान शुक्रवार से यहां शुरू हो रहे एशिया ओलंपिक क्वालिफायर के जरिये पेरिस खेलों का कोटा हासिल करने के लिए जब चुनौती पेश करेंगे तो सबसे ज्यादा नजरें दो बार की ओलंपियन विनेश फोगाट पर होगी। इस प्रतियोगिता में फ्रीस्टाइल, महिला और ग्रीको-रोमन में कुल 36 कोटा स्थान दांव पर होंगे। भारतीय पहलवान सिर्फ एक स्पर्धा को छोड़कर सभी भारवर्ग में कोटा हासिल करने की कोशिश करेंगे। 19 साल की अंतिम पंघाल ने सर्बिया के बेलग्रेड में 2023 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीत कर भारत के लिए महिलाओं के 53 किग्रा में पहले ही कोटा स्थान पक्का कर लिया है। महिला वर्ग में अब विनेश (50 किग्रा), रीतिका हुड्डा (76 किग्रा), मौजूदा अंडर-23 विश्व चैंपियन अंशु (57 किग्रा), मानसी (62 किग्रा) और निशा (68 किग्रा) के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का समय आ गया है।

भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ भारतीय पहलवानों के विरोध का प्रमुख चेहरा रही विनेश के प्रदर्शन पर सबसे ज्यादा नजरें रहेंगी। 29 वर्षीय खिलाड़ी ने मार्च में 50 किग्रा में राष्ट्रीय चयन ट्रायल जीता था। उन्होंने पटियाला में हुए इस चयन ट्रायल में अधिकारियों से अनुमति मिलने के बाद 53 किग्रा वर्ग में भी प्रतिस्पर्धा की थी, लेकिन वह सेमीफाइनल में हार गई थी। वह अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बेताब होगी।

पुरुष वर्ग में अमन-दीपक प्रमुख दावेदार

पुरुषों के फ्रीस्टाइल वर्ग में, अमन सहरावत (57 किग्रा) राष्ट्रीय ट्रायल में टोक्यो ओलंपिक पदक विजेता रवि दहिया को पछाड़कर अपनी जगह बनाने के बाद सुर्खियों बटोरी थी। वह अच्छी लय में भी हैं। उन्होंने इस साल जनवरी में जगरेब ओपन में स्वर्ण पदक जीता था। उनके अलावा सुजीत पर भी नजर रहेगी क्योंकि वह टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता बजरंग पूनिया की विफलता के बाद 65 किग्रा वर्ग में चुनौती का नेतृत्व कर रहे हैं।

छह साल की उम्र में तक्षवी वघानी ने रचा इतिहास

स्केटिंग में किया कमाल, बना दिया विश्व रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। तक्षवी ने लोएस्ट लिम्बो स्केटिंग में कमाल करते हुए अपना नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज कराया है। इसकी पुष्टि करते हुए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड ने एक वीडियो साझा किया है जिसमें छह साल की तक्षवी को स्केटिंग करते देखा जा रहा है। अहमदाबाद की तक्षवी वघानी ने छह वर्ष की उम्र में ऐसा कारनामा कर डाला है जिससे उनकी चर्चा भारत ही नहीं पूरे विश्व में हो रही है। उन्होंने छोटी सी आयु में कुछ ऐसा किया जिससे उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हो गया। तक्षवी ने लोएस्ट लिम्बो स्केटिंग में 25 मीटर से अधिक का विश्व रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। इसी के साथ उन्होंने न सिर्फ अपना नाम रोशन किया बल्कि पूरे देश को गौरवान्वित किया।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड ने की पुष्टि

तक्षवी ने लोएस्ट लिम्बो स्केटिंग में कमाल करते हुए अपना नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज कराया है। इसकी पुष्टि करते हुए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड ने एक वीडियो साझा किया है जिसमें छह साल की तक्षवी को स्केटिंग करते देखा जा रहा है। वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा गया, 25 मीटर से अधिक की लोएस्ट लिम्बो स्केटिंग। पिछले साल 10 मार्च को यह रिकॉर्ड ब्रेकिंग उपलब्धि हासिल की गई थी।

तक्षवी ने तोड़ा मनस्वी का रिकॉर्ड

अहमदाबाद की तक्षवी से पहले यह रिकॉर्ड पुणे की मनस्वी विशाल के नाम दर्ज था। उन्होंने साढ़े तीन साल की उम्र में 25 मीटर से ज्यादा की लोएस्ट लिंबो स्केटिंग से सभी को प्रभावित कर दिया था। उन्होंने धरती से केवल 16.5 सेंटीमीटर की ऊंचाई बनाए रखते हुए 25 मीटर की दूरी तक ग्लाइड किया था।

सृष्टि भी नहीं हैं पीछे

लिम्बो स्केटिंग की दुनिया में तक्षवी और मनस्वी के अलावा 18 वर्षीय सृष्टि धर्मेंद्र शर्मा भी कमाल दिखा चुकी हैं। उन्होंने जुलाई 2023 में 50 मीटर से अधिक की स्केटिंग में कमसमय लेते हुए नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया था। उन्होंने इस दूरी को 6.94 सेकंड में पूरा किया था। उन्होंने 2021 में बनाए अपने ही रिकॉर्ड को तोड़कर यह उपलब्धि हासिल की थी।

कैस्पर रूड बार्सिलोना ओपन के क्वार्टरफाइनल में

बार्सिलोना एजेंसी। नॉर्वे के कैस्पर रूड ने सीजन की अपनी 26वीं जीत के साथ जॉर्डन थॉम्पसन को 6-1, 6-4 से हराकर बार्सिलोना ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अपनी जीत के साथ, तीसरी वरीयता प्राप्त रूड 2024 में सबसे अधिक टूर-स्तरीय जीत के मामले में जानिक सिनर से आगे निकल गए। रूड ने शुरुआत में ही 5-0 की बढ़त बना ली और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। एटीपी की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने दूसरे सेट के सातवें गेम में निर्णायक ब्रेक हासिल करने से पहले शुरुआती सेट को समाप्त कर दिया और अंततः 73 मिनट में जीत हासिल की। नॉर्वेजियन जो इस साल पहले ही तीन फाइनल (लॉस काबोस, अकापुल्को, मोंटे-कार्लो) में पहुंच चुका है, रूड का अगला मुकाबला माटेओ अर्नाल्डी से होगा, जिन्होंने पहले मार्को ट्रुगेलिटी को 6-3, 6-0 से हराकर अपना अंतिम-आठ स्थान सुरक्षित किया।

केप्टन दिलीप बारगल स्मृति जिला मिनी-सब जूनियर बैडमिंटन स्पर्धा आज से

इंदौर। इंदौर जिला बैडमिंटन संगठन के तहत मल्हार क्रीड़ा मंडल द्वारा आयोजित 14वीं कैप्टन दिलीप बारगल स्मृति इंदौर जिला मिनी -सब जूनियर बैडमिंटन स्पर्धा 20 अप्रैल से शुरू होगी। पहले दिन मुकाबले दोपहर 3 बजे से होंगे। स्पर्धा सचिव अनिल बारगल ने बताया कि मल्हार क्रीड़ा मंडल, उषा नगर एक्सटेंशन में 11, 13 और 15 वर्ष बालक और बालिका एकल और युगल की होने वाली इस स्पर्धा में 250 प्रविष्टियां आई हैं। राष्ट्रीय बैडमिंटन रेफरी धर्मेश यशलहा स्पर्धा के मुख्य निर्णायक होगें।

20 अप्रैल को दोपहर 3 बजे से 13 वर्ष बालक एकल के पहले और दूसरे दौर के मुकाबले खेले जाएंगे, फिर अन्य वर्गों के पहले दौर के मुकाबले होंगे। 21 अप्रैल को सुबह 11 बजे से मैच होंगे। 15 वर्ष आयु में मिश्रित युगल के मुकाबले भी हैं। इंदौर जिला बैडमिंटन संगठन सचिव आर पी सिंह नैयर ने बताया कि इस स्पर्धा के आधार पर इंदौर जिला टीम का चयन भी होगा जो विदिशा में होने वाली मप्र राज्य मिनी -सब जूनियर बैडमिंटन स्पर्धा में हिस्सा लेंगी। मल्हार क्रीड़ा मंडल पहली बार जिला स्पर्धा आयोजित कर रहा है।

टूट गई हैं हाथ की दो हड्डियां, पति विवेक ने फैंस से की दुआ करने की गुजारिश

दिव्यांका त्रिपाठी का एक्सीडेंट

टीवी की टॉप एक्ट्रेसेस में से एक दिव्यांका त्रिपाठी का एक्सीडेंट हो गया है। उनकी दो हड्डियां बुरी तरह टूट गई हैं और उन्हें फिलहाल डॉक्टर्स की निगरानी में रखा गया है। उनके पति विवेक दहिया ने इस पर अपडेट शेयर किया है और फैंस से उन्हें ठीक रहने की प्रार्थना करने की गुजारिश की है।

दिव्यांका त्रिपाठी एक फेमस टीवी एक्ट्रेस हैं, जिन्होंने अपने करियर की शुरुआत डेली सोप बनूं मैं तेरी दुल्हन में विद्या का रोल किया था। हालांकि, शो ये है मोहब्बतें में डॉक्टर इशिता भल्ला की भूमिका से उन्हें अपार फेम और पहचान मिली। इसके अलावा, उसी शो के सेट पर दिव्यांका की मुलाकात एक्टर विवेक दहिया से हुई और धीरे-धीरे दोनों में प्यार हो गया। बाद में इस कपल ने 8 जुलाई 2016 को शादी कर ली। दिव्यांका का एक्सीडेंट हो गया है और उन्होंने हॉस्पिटल के बेड से अपडेट शेयर किया है।

एक्टर शक्ति अरोड़ा बोले– नहीं कर सकता बोल्ड बेडरूम सीन

शक्ति अरोड़ा ईशान सर के रूप में लड़कियों के बीच काफी लोकप्रिय हो चुके हैं। उनका शो गुम है किसी के प्यार में टीआरपी चार्ट में टॉप 5 में जगह बनाए हुए है। उन्होंने इंटीमेट सीन्स पर अपनी राय रखी है। गुम है किसी के प्यार में शो के लीड एक्टर शक्ति अरोड़ा फीमेल फैन्स के बीच काफी पॉप्युलर हैं। सीरियल के ईशान सर सबका क्रश बन चुके हैं। दर्शक इंतजार कर रहे हैं कि ईशान और सवि के बीच रोमांटिक सीन दिखाए जाएं। इस बीच शक्ति अरोड़ा ने बेडरूम सीन्स पर अपने विचार रखे। उनका कहना है कि इंडियन एक्टर्स पर ये सब सूट नहीं करता है।

नहीं कर सकते बेडरूम सीन

शक्ति अरोड़ा स्टार प्लस का लोकप्रिय चेहरा हैं। गुम है किसी के प्यार में सीरियल में उन्हें दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। लोग उनके साथ सवि का रोमांस देखने के लिए बेकरार हैं लेकिन शक्ति का कहना है कि रोमांस तक ठीक है लेकिन वह टीवी पर बेडरूम वाले इंटीमेट सीन करने से बचते हैं। यह बात उन्होंने बातचीत में कही।

देसी एक्टर पर नहीं सूट करता

शक्ति अरोड़ा ओटीटी शोज की बात कर रहे थे। शक्ति का मानना है कि ओटीटी में जरूरत नहीं होती फिर भी ऐसे सीन्स डाल दिए जाते हैं। शक्ति ने कहा कि उन्हें लगता है कि भारतीय कलाकार टीवी पर ऐसे सीन्स करते ठीक नहीं लगते। लोग भले ही उन्हें रेसिस्ट समझें लेकिन उनका मानना यही है।

रवि किशन की बेटी होने का दावा करने वाली शिनोवा चाहती है टेस्ट

भोजपुरी फिल्मों के एक्टर रवि किशन बुरे मामले में फंसे हुए हैं। उनकी बेटी होने का दावा करने वाली लड़की शिनोवा का कहना है कि एक्टर को पैटरनिटी टेस्ट करवाना होगा। वो चाहती है कि रवि उन्हें अपनी बेटी मान लें। हाल ही में शिनोवा ने बातचीत में काफी कुछ कहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि रवि किशन उनकी बेटी का हक मार रहे हैं। इससे पहले, रवि किशन की पत्नी प्रीति ने लखनऊ के हजरतगंज पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई. गोरखपुर से बीजेपी उम्मीदवार और एक्टर रवि किशन पर अपनी बेटी का पिता होने का आरोप लगाने वाली महिला के खिलाफ लखनऊ में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने रवि किशन की पत्नी प्रीति शुक्ला की शिकायत पर कार्रवाई की। सोमवार को लखनऊ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुंबई की रहने वाली अपर्णा सोनी उर्फ अपर्णा ठाकुर ने दावा किया कि रवि किशन उनकी 25 वर्षीय बेटी शिनोवा के पिता हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि रवि किशन उनकी बेटी का हक मार रहे हैं। अब, शिनोवा ने खुद सामने आकर कहा है कि रवि किशन पैटरनिटी टेस्ट करवाएं।

संक्षिप्त समाचार

सुकुमार मिश्रा आईआईटी धनबाद के निदेशक

नई दिल्ली, एजेंसी। छह भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों को गुरुवार को नए निदेशक मिल गए। मणींद्र अग्रवाल को आईआईटी कानपुर और अमित पात्रा को आईआईटी बीएचयू का निदेशक नियुक्त किया गया है। मणींद्र आईआईटी कानपुर के कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग में प्रोफेसर हैं। शिक्षा मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि आईआईटी कानपुर के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर अविनाश कुमार अग्रवाल को आईआईटी जोधपुर का निदेशक नियुक्त किया गया है। सुकुमार मिश्रा को आईआईटी धनबाद का निदेशक नियुक्त किया गया है, जबकि डीएस कट्टी आईआईटी गोवा के नए प्रमुख होंगे। आईआईटी मद्रास के देवेंद्र जलिहाल को आईआईटी गुवाहाटी का निदेशक नियुक्त किया गया है।

तीनों सेनाओं की महिला अधिकारियों ने पूरी की चुनौतीपूर्ण समुद्री यात्रा

नई दिल्ली, एजेंसी। तीनों सेनाओं की महिला अधिकारियों के एक दल ने अरब सागर में चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में करीब चार सप्ताह की कठिन समुद्री यात्रा पूरी कर ली है। चालक दल में सभी महिलाएं शामिल हैं। 12 बहादुर महिला अधिकारियों ने पूरी की यात्रा भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना की 12 बहादुर महिला अधिकारियों वाले चालक दल ने सितंबर में होने वाली वैश्विक जलयात्रा प्रतिस्पर्धा की तैयारी के लिए यह यात्रा की है। इन महिला कर्मियों ने आर्मी एडवेंचर विंग और कॉलेज ऑफ मिलिट्री इंजीनियरिंग के आर्मी एक्वा नोडल सेंटर के बैनर तले यह यात्रा शुरू की। सेना के एक अधिकारी ने बताया कि यह मिशन 27 दिन में पूरा हुआ। इसमें सबसे कठिन समुद्री परिस्थितियों में उनके धैर्य और कौशल का परीक्षण किया गया। मुंबई से लक्षद्वीप तक यह प्रशिक्षण अभियान चलाया गया। चालक दल अपने आप को अराउंड द वर्ल्ड सेलिंग कम्पीटिशन के लिए तैयार कर रहा है जो भारतीय सेना के इतिहास में मील का एक महत्वपूर्ण पत्थर साबित होगा।

खतरनाक नस्ल के कुत्तों की बिक्री पर रोक के लिए जारी होगी नई अधिसूचना

नई दिल्ली, एजेंसी। कुत्तों की कई खतरनाक नस्लों के आयात, प्रजनन और बिक्री पर रोक के संबंध में केंद्र सरकार नई अधिसूचना जारी करेगी। केंद्र सरकार के इस बयान को रिकॉर्ड पर लेते हुए दिल्ली हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की पीठ ने 12 मार्च को जारी अधिसूचना को रद्द कर दिया। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार के अधिवक्ता ने कहा कि यदि नई अधिसूचना जारी करने का निर्देश दिया जाए तो पूर्व अधिसूचना को रद्द करने में कोई आपत्ति नहीं है। कोर्ट ने कहा कि प्रत्येक कुत्ते के मालिक को मौखिक सुनवाई का मौका देना संभव नहीं है, इसलिए केंद्र सरकार एक राष्ट्रीय समाचार पत्र के साथ ही मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रस्तावित या मसौदा अधिसूचना पर लिखित आपत्तियां आमंत्रित करते हुए दो सप्ताह के अंदर एक सार्वजनिक नोटिस जारी करेगी। यह निर्देश देते हुए अदालत ने अधिसूचना को चुनौती देने वाली याचिकाओं का निपटारा कर दिया। याचिका में गया था कि हितधारकों से परामर्श, आपत्तियां और सुझाव आमंत्रित किए बिना कुत्तों की 23 नस्लों पर प्रतिबंध लगाया गया था।

राष्ट्र विरोधी है जेएनयू, वाइस चांसलर ने दिया जवाब; टुकड़े-टुकड़े गैंग पर भी बोलीं

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में एक मशहूर केंद्रीय विश्वविद्यालय है जिसका नाम जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय है। वैसे तो अपने वर्तमान और पूर्व छात्रों की वजह से यह विश्वविद्यालय जाना जाता है लेकिन बीते सालों यह दूसरे कारणों से भी चर्चा में रहा था। जेएनयू पर आरोप लगे थे कि यहां राष्ट्र विरोधी काम भी किया जाता है। इन सभी आरोपों पर गुरुवार को जेएनयू की वाइस चांसलर ने खुलकर जवाब दिया है। आइये जानते हैं उन्होंने क्या-क्या कहा है।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की कुलपति शांतिश्री धूलिपुड़ी पंडित ने गुरुवार को कहा कि जेएनयू कभी भी राष्ट्र-विरोधी या टुकड़े-टुकड़े गिरोह का हिस्सा नहीं था। उन्होंने कहा कि जेएनयू हमेशा असहमति, बहस और लोकतंत्र को बढ़ावा देता रहेगा। गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत में जेएनयू की पहली महिला कुलपति शांतिश्री धूलिपुड़ी पंडित ने कहा कि जेएनयू का भगवाकरण नहीं हुआ है और इसके दिन-प्रतिदिन के कामकाज में केंद्र सरकार का कोई दबाव नहीं है।

जेएनयू की छात्रा रहीं पंडित ने स्वीकार किया कि जब उन्होंने कुलपति का कार्यभार संभाला तो परिसर में ध्रुवीकरण हो गया था और उन्होंने इस दौर को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। कुलपति ने दावा किया कि दोनों पक्षों (छात्रों और प्रशासन) से गलतियां हुईं और नेतृत्व ने हालात को संभालने में गलती की। पंडित ने यह भी कहा कि न तो उन्हें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े होने पर कोई अफसोस है और न ही वह इसे छिपाती हैं।

गुरुवार को शांतिश्री धूलिपुड़ी पंडित ने रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में अपने जन्म से लेकर चेन्नई में एक मध्यम वर्गीय दक्षिण भारतीय परिवार में पलने-बढ़ने तक के अपने जीवन के बारे में विस्तार से बात की। पंडित ने कहा कि विश्वविद्यालय को क्यूएस रैंकिंग में शीर्ष स्थान दिलाने वाली संघी कुलपति होने पर उन्हें गर्व है। उन्होंने कहा कि एक विश्वविद्यालय के रूप में हमें इस सब (भगवाकरण) से ऊपर उठना चाहिए। जेएनयू राष्ट्र के लिए है, किसी विशेष पहचान के लिए नहीं। जेएनयू समावेशिता और विकास के लिए है और मैं हमेशा कहती हूं कि यह सात डी- डेवलपमेंट (विकास), डेमोक्रसी (लोकतंत्र), डिसेन्ट (असहमति), डायवर्सिटी (विविधता), डिबेट (बहस) और डिस्कशन (चर्चा), डिफरेन्स (मतभेद) तथा डेलिबरेशन (विचार-विमर्श) के लिए है।

पंडित ने 2022 में जेएनयू के कुलपति का पद संभाला था। तब परिसर छात्रों के आंदोलन से जूझ रहा था और एक कार्यक्रम के दौरान परिसर में कथित राष्ट्र-विरोधी नारे लगाए जाने पर 2016 के विवाद में घिर गया था। नारेबाजी में शामिल छात्रों पर टुकड़े-टुकड़े गिरोह का सदस्य होने का आरोप लगाया गया। विश्वविद्यालय की राष्ट्र-विरोधी छवि के बारे में एक सवाल पर उन्होंने कहा कि वह ऐसा दौर था जब दोनों पक्षों ने गलतियां कीं। मुझे लगता है कि नेतृत्व ने इसे संभालने में गलती की। किसी भी विश्वविद्यालय में 10 प्रतिशत शरारती तत्व होते हैं। ऐसा केवल जेएनयू में नहीं है। यह नेतृत्व पर निर्भर करता है कि हम उग्र विचार वाले लोगों से कैसे निपटते हैं...लेकिन मुझे नहीं लगता कि हम राष्ट्र-विरोधी या टुकड़े-टुकड़े गिरोह का हिस्सा हैं।

गैंगरेप कराने के बाद काट दी जुबान, फिर...; दिल्ली के गोविंदपुरी में मालकिन ने नौकरानी संग कराई दरिंदगी

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली के गोविंदपुरी इलाके में शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला ने अपने घर पर काम करने वाली नौकरानी के साथ अपने कुछ दोस्तों से गैंगरेप करवाया। इतना ही नहीं, आरोपियों ने वारदात के बाद पीड़िता की जुबान भी काट दी ताकि वह किसी को कुछ बता न सके। पुलिस ने नहीं की कार्रवाई, कोर्ट ने लगाई फटकार - इस घटना का एक और शर्मनाक पहलू यह है कि पीड़ित युवती की शिकायत पुलिस ने भी नहीं सुनी। दो साल के संघर्ष के बाद गत सोमवार को साकेत कोर्ट के आदेश पर इस मामले में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़िता बदरपुर इलाके में रहती है और गोविंदपुरी स्थित एक घर में नौकरानी है। पीड़ित युवती की मालकिन मसाज सेंटर चलाती है। 29 दिसंबर 2022 को महिला ने उसे अपनी बेटी के बर्थडे पर कुछ लोगों के लिए खाना बनाने के लिए बुलाया था। रात करीब 8-9 बजे घर पर चार-पांच लोग आए थे। इनमें से एक युवक ने उससे पानी मांगने के दौरान दो बार उसका हाथ पकड़ने की कोशिश भी की। इसी बीच मालकिन ने युवती को कोल्ड ड्रिंक पिला दी। इसके बाद वह बेसुध हो गई। जब दो दिन बाद उसे होश आया तो उसने देखा कि वह गुरुग्राम स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती है। उसके मुंह, आंख, जीभ, सिर और माथे पर गंभीर चोटें हैं। उसकी जीभ भी कटी हुई थी और वह निजी पार्ट में सूजन और दर्द से कराह रही थी। इसके बाद उसे पता चला कि उसकी मालकिन ने उसका नाम बदलकर उसे अस्पताल में भर्ती कराया है। उसके घरवालों को भी जानकारी नहीं दी थी। युवती ने किसी तरह अस्पताल से भागकर अपनी जान बचाई और अपने परिजनों को इसकी सूचना दी। आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी - पीड़िता का आरोप है आरोपियों ने साजिश रचकर गैंगरेप की वारदात को अंजाम दिया है। आरोपियों ने बुरी तरह मारपीट कर उसकी जुबान इसलिए काटी ताकि किसी को कुछ भी न बता सके। जान से मारने की भी धमकी भी दी।

तू हाथ नीचे रख, तुम तमीज से बोलो..., दिल्ली मेट्रो में दो लोगों के बीच जमकर हुआ क्लेश

नई दिल्ली, एजेंसी। आए दिन दिल्ली मेट्रो के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं। कई बार इन वीडियो की वजह से दिल्ली मेट्रो की किरकिरी भी होती है। अब एक और वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। कहा जा रहा है कि यह वीडियो भी दिल्ली मेट्रो का है। हालांकि, लाइव हिन्दुस्तान इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। एक्स पर यह वीडियो घर के क्लेश नाम के एक हैंडल से शेयर किया गया है। इस वीडियो को शेयर करते हुए एक्स पर लिखा गया है, दिल्ली मेट्रो के अंदर दो लड़के हैं। एक लड़का अपनी सीट पर ठीक से बैठा नहीं है जिसे लेकर दूसरे लड़के को उससे समस्या हो रही है।

इस वीडियो में नजर आ रहा है कि दो लड़के मेट्रो की सीट पर बैठे हैं। इनमें से एक लड़का अपने दोनों पैरों को मेट्रो की सीट पर रखकर बैठा है। एक लड़का इसमें से कहता है, कान बज रहे हैं बेटा। इसपर दूसरे लड़का कहता है, कान नहीं बज रहा है, तुम्हारा मुंह बज रहा है। इसपर दूसर लड़का कहता है हाथ नीचे करे। इसपर जवाब देते हुए सीट पर पैर रख कर बैठा लड़का कहता है क्यों करूं, तुम प्रधान हो कहीं के दूसरा लड़का उसे तमीज से बैठने के लिए कहता है। फिर सामने बैठा लड़का कहता है तमीज से बोलो। इसी तू-तू-मैं-मैं के दौरान पुलिस की वर्दी पहने एक शख्स वहां पहुंच जाता है। यह शख्स दोनों के बीच की लड़ाई को खत्म करवाता है। मेट्रो की सीट पर पैर रख कर बैठा लड़का अपने पैर नीचे कर लेता है। आपको याद दिला दें कि अभी हाल ही में एक और वीडियो वायरल हुआ था। इस वीडियो को भी दिल्ली मेट्रो का वीडियो ही बताया जा रहा था।

केजरीवाल को जेल में खतरा, अतीक अहमद का दिया उदाहरण; दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को उनके कार्यकाल के पूरा होने तक अंतरिम जमानत पर रिहा करने की मांग की गई है। इसके लिए दिल्ली हाई कोर्ट में जनहित याचिका भी दायर की गई। इस याचिका में पिछले साल यूपी के प्रयागराज में मारे गए माफिया से नेता बने अतीक अहमद का भी उदाहरण दिया गया है। दिल्ली शराब घोटाले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को ईडी ने पिछले महीने गिरफ्तार किया था। अभी वे दिल्ली के तिहाड़ जेल में बंद हैं। पीआईएल में कहा गया है कि जेल में केजरीवाल की सुरक्षा खतरे में है।

लाइव लॉ के अनुसार, दिल्ली हाई कोर्ट में दायर जनहित याचिका में सीएम अरविंद केजरीवाल को ईडी और अन्य एजेंसी द्वारा दर्ज सभी आपराधिक मामलों में असाधारण अंतरिम जमानत पर रिहा करने की मांग की गई है। अतीक अहमद के अलावा, जनहित याचिका में टिल्लू ताजपुरिया का भी उदाहरण दिया गया है। पिछले साल तिहाड़ जेल में बंद टिल्लू ताजपुरिया की हत्या कर दी गई थी।

कानून के चौथे वर्ष के छात्र अभिषेक चौधरी ने हम भारत के लोग के नाम से यह जनहित याचिका दायर की है। उन्होंने हम भारत के लोग का इस्तेमाल इसलिए किया है, क्योंकि उनका कहना है कि उन्हें कोई प्रसिद्धि नहीं चाहिए। याचिका में उन्होंने कहा कि राजधानी की जेलों में कई कैदियों की मौत सिर्फ इस वजह से हुई है, क्योंकि उन्हें समय पर मेडिकल फैसिलिटीज नहीं उपलब्ध की गई। याचिका में यह भी कहा गया है कि मुख्यमंत्री होने की वजह से यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि केजरीवाल को सबसे बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, डॉक्टरों 24 घंटे सातों दिन उपलब्ध हो, जोकि जेल परिसर में संभव नहीं है।

इससे पहले, ईडी ने कोर्ट में दावा किया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल टाइप 2 मधुमेह होने के बावजूद हर दिन आम और मिठाई आदि खा रहे हैं ताकि चिकित्सा आधार पर उन्हें जमानत मिल सके। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और ईडी मामलों की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा के समक्ष ईडी ने यह दावा किया। न्यायमूर्ति बावेजा ने तिहाड़ जेल के अधिकारियों को केजरीवाल के आहार चार्ट सहित मामले में एक रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया।

नियम पसंद नहीं तो स्कूल छोड़ दें, हाईकोर्ट ने ठुकराई स्कूल में नमाज पढ़ने की मांग

लंदन, एजेंसी ।
ब्रिटेन में हाईकोर्ट ने स्कूल में नमाज पर पढ़ने पर लगी रोक के खिलाफ मुस्लिम छात्रा की याचिका खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि अगर छात्रा को स्कूल के नियम पसंद नहीं है तो वह स्कूल छोड़ दे। अगर स्कूल में पढ़ना है तो उसे वहां के नियम मानने होंगे। भारत के संदर्भ में यह फैसला इसलिए प्रासंगिक है कि कर्नाटक में स्कूल में हिजाब पहनने पर रोक के खिलाफ देश भर में प्रदर्शन हुए थे। ये मामला ब्रिटेन के सबसे सख्त स्कूलों में से एक ब्रेंट स्थिल मिशेला कम्यूनिटी स्कूल से जुड़ा है। स्कूल की भारतीय मूल की प्रिंसिपल कैथरीन बीरबल सिंह को ब्रिटेन की सबसे सख्त प्रिंसिपल माना जाता है। स्कूल में धार्मिक शिक्षा पर सख्ती से रोक है। स्कूल परिसर में किसी भी तरह के धार्मिक कार्य करने पर पाबंदी है। स्कूल में पढ़ने वाले लगभग 700 बच्चों में से ज्यादातर मुस्लिम हैं। इनमें से 30 बच्चों ने मार्च 2023 में स्कूल परिसर में नमाज पढ़ी थी। इसके बाद स्कूल ने कड़ा कदम उठाया और सभी को चेतावनी दी। इसी के बाद स्कूली छात्रा ने हाईकोर्ट में अपील की थी। हाईकोर्ट की जस्टिस लिंडेन ने 83 पेजों के फैसले में कहा कि दाखिले से पहले सभी बच्चों और उनके माता-पिता को बताया जाता है कि इस स्कूल में धार्मिक क्रिया कलापों के लिए कोई जगह नहीं है। हाईकोर्ट के फैसले को स्कूल की संस्थापक और प्रिंसिपल कैथरीन बीरबलसिंह ने सभी स्कूलों की जीत बताया है।

कारगिल युद्ध पाकिस्तान की बड़ी भूल, 1999 की हार के लिए पूर्व पाक सैन्य अफसरों ने जताया मलाल

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व सैन्य अफसरों ने भारत व पाकिस्तान के बीच 1999 में हुए कारगिल युद्ध को अपने देश की एक रणनीतिक भूल करार दिया है। जिसे इसके साजिशकर्ता और पाकिस्तानी सैन्य तानाशाह दिवंगत जनरल परवेज मुशर्रफ ने सफलता की कहानी के रूप में सराहा था।

पूर्व कर्नल अशफाक हुसैन कहते हैं कि कारगिल में घुसपैठ एक बड़ी भूल और विफलता थी। यह पाकिस्तान के लिए आपदा साबित हुई। इसने भारत व पाकिस्तान के बीच लाहौर शिखर सम्मेलन समझौते का भी उल्लंघन किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी सेना ने इसमें शामिल होने से इनकार कर दिया। यहां तक कि उसने अपने सैनिकों के शवों को भी स्वीकार नहीं किया। बाद में इन शवों को भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा दफनाया गया, जो पाकिस्तानी सेना के लिए अत्यंत अपमानजनक था। उन्होंने कहा कि मई-जुलाई 1999 के दौरान हुआ कारगिल युद्ध पाकिस्तान के कुछ वरिष्ठ सैन्य अफसरों का निर्णय था। इन अधिकारियों ने तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को पूरी तरह से विश्वास में लिए बिना ही ऑपरेशन शुरू किया था। ऑपरेशन का मुख्य लक्ष्य कश्मीर और लद्दाख के बीच संपर्क काटना, राष्ट्रीय राजमार्ग-1 को बाधित करना और भारतीय सेना को सियाचिन ग्लेशियर से पीछे हटने को मजबूर करना था।

साजिशकर्ताओं का मानना था कि यह ऑपरेशन भारत को पीछे हटने और इस्लामाबाद की शर्तों पर कश्मीर विवाद को सुलझाने के लिए बातचीत की मेज पर आने के लिए मजबूर करेगा। एक तरफ पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय दबाव का सामना करना पड़ा और दूसरी तरफ चीन ने इस्लामाबाद के मन मुताबिक सहयोग नहीं किया। तत्कालीन पाक विदेश मंत्री सरताज अजीज के प्रयासों को भी अंतरराष्ट्रीय समुदाय से समर्थन नहीं मिला। उस समय, जनरल मुशर्रफ ऑपरेशन का नेतृत्व कर रहे थे। उनकी टीम में चीफ आफ जनरल स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल अजीज खान, कमांडर 10 कोर लेफ्टिनेंट जनरल महमूद अहमद और फोर्सेज कमांडर उत्तरी क्षेत्र मेजर जनरल जावेद हसन शामिल थे। कारगिल ऑपरेशन कुछ सैन्य प्रमुखों के दिमाग की उपज थी।- अशफाक हुसैन, पूर्व कर्नल 1999 में पाकिस्तानी सेना ने भारतीय सैनिकों से पहले ही कारगिल, द्रास और बटालिक की रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण चौकियों पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद भारतीय सेनाओं ने अपनी चौकियों पर दोबारा काबिज होने के लिए ऑपरेशन विजय शुरू किया।

सिक लीव कल्चर से परेशान हुए पीएम ऋषि सुनक, लंबी अवधि के मेडिकल अवकाश नियमों को सख्त करने पर करेंगे विचार

लंदन , एजेंसी।
ब्रिटेन के पीएम ऋषि सुनक स्थायी रूप से वर्क फोर्स से बाहर हो जाने वाले ब्रिटिशर्स की संख्या में बढ़ोतरी को रोकने के लिए लंबी अवधि के मेडिकल अवकाश के नियमों को सख्त करने पर विचार करेंगे।

लंबी अवधि की बीमारी में वृद्धि और छात्रों की अधिक संख्या के कारण कामकाजी उम्र के लोगों के बीच श्रम शक्ति में भागीदारी 2015 के बाद से सबसे कम है। अन्य बड़े समृद्ध देशों के विपरीत, जहां 2020 के बाद से भागीदारी में वृद्धि देखी गई है।

सुनक ने शुक्रवार को अपने भाषण में जक्रि किया कि मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों के कारण काम नहीं करने वाले लोगों की बढ़ती संख्या एक विशेष चिंता का विषय है।

हमें लोगों को काम पर वापस लाने में मदद करने के बारे में और अधिक महत्वाकांक्षी होने की जरूरत है और जीवन की रोजमर्रा की चुनौतियों और चिंताओं के अति-चिकित्साकरण के जोखिम के बारे में और अधिक ईमानदार होने की जरूरत है।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 16 से 64 वर्ष की आयु वर्ग के लगभग 22त्न यानी 9.4 मिलियन ब्रिटिश नागरिक न तो काम कर रहे हैं और न ही बेरोजगार हैं, जो महामारी से ठीक पहले 8.55 मिलियन से

अधिक है। उनमें से 2.8 मिलियन लंबे समय से बीमार हैं और 206,000 अस्थायी रूप से बीमार हैं। पिछले साल ब्रिटेन के बजट प्रहरी ने कहा था कि लंबी अवधि की बीमारी के कारण काम से दूर रहने वाले एक चौथाई लोग चिकित्सा उपचार की प्रतीक्षा कर रहे थे, हालांकि इसमें यह भी कहा गया कि प्रतीक्षा सूची को 2015 तक काटने से केवल 25,000 लोग ही काम पर वापस आ सकते हैं। लंबे समय से बीमार आधे से अधिक लोगों ने अवसाद खराब नसों या चिंता से पीड़ित होने की सूचना दी, हालांकि कई लोगों ने कहा कि यह उनकी मुख्य स्वास्थ्य समस्या के साथ-साथ एक मीडियम कंडीशन थी।

सुनक के कार्यालय ने कहा कि चिकित्सक यह सलाह देने के बजाय कि कोई व्यक्ति काम पर कैसे वापस आ सकता है, लंबी अवधि की बीमारी के लाभ के लिए आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करने के बजाय, विस्तारित बीमारी की छुट्टी को मंजूरी देने वाले बार-बार नोट जारी करने के इच्छुक थे।

सुनक ने कहा कि वह मूल्यांकन की जिम्मेदारी पारिवारिक डॉक्टरों से लेकर स्वास्थ्य कर्मियों पर स्थानांतरित करने का परीक्षण करना चाहते हैं, जिन्हें किसी की काम करने की क्षमता का वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन और ऐसा करने के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करना है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन और दुनिया के 500 विशेषज्ञों ने स्वीकारा, हवा के जरिये फैला कोविड

अमेरिका, एजेंसी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और दुनियाभर के 500 विशेषज्ञों ने आखिरकार मान लिा है कि कोविड संक्रमण हवा के जरिये फैला था। अब तक इस संबंध में अलग-अलग विशेषज्ञ अलग-अलग दावे कर रहे थे। बृहस्पतिवार को डब्ल्यूएचओ के जेनेवा स्थिति मुख्यालय से इस संबंध में सबूतों के साथ तकनीकी दस्तावेज जारी किए गए।

डब्ल्यूएचओ का कहना है कि तकनीकी दस्तावेज से खसरे जैसी मौजूदा बीमारियों और भविष्य में आने वाली महामारी के खतरों के संचरण को बेहतर तरीके से संभालने की रणनीति बनाने में मदद मिलेगी। दस्तावेज के निष्कर्षों कहा गया है कि कोविड संक्रमण के वर्णन में इसे हवा के माध्यम से फैसलने वाले संक्रामक रोगों की श्रेणी में रखा जा सकता है। क्योंकि, वायरस हवा में यात्रा करते हुए दूसरे व्यक्तियों तक पहुंचता है और उन्हें संक्रमित करता है। लगभग 500 विशेषज्ञों ने कोविड की यह परिभाषा गढ़ने में योगदान दिया है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पताः- 435 ऑर्बिट मॉल विजय नगर, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।